■ चैत्र शुक्ल - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 242 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 01-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल बनाने को प्रतिबद्ध : शर्मा

6 जल संकट का समाधान : परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम

7 अनीता हसनंदानी क्यों नहीं घटा पाती हैं वजन?

फर्स्ट टेक

इमरान खान नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मानवाधिकार और लोकतंत्र के लिए उनके प्रयासों के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। पिछले साल दिसंबर में स्थापित समूह 'पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस' (पीडब्ल्यूए) के सदस्य (जो नॉर्वे के राजनीतिक दल पार्टीएट सेंट्रम से भी जुड़े हैं) ने 72 वर्षीय खान के नामांकन की घोषणा की। 'पार्टीएट सेंट्रम' ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, हमें पार्टीएट सेंट्रम की ओर से यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने नामांकन के अधिकार वाले किसी व्यक्ति के साथ गठबंधन करके पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान में मानवाधिकारों और लोकतंत्र के लिए उनके काम के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है।

यमन में अमेरिका के हवाई हमलों में कम से कम तीन लोगों की मौत

दुबई/एपी। यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाली राजधानी सना और उसके आसपास रविवार रात से लेकर सोमवार सुबह तक किए गए हवाई हमलों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। ईरान समर्थिक हूती विद्रोहियों ने सोमवार को यह दावा किया। विद्रोहियों ने संदेह जताया है कि ये हमले अमेरिका ने किए। शुक्रवार को सुबह भी यमन में कई हवाई हमले किए गए थे। हूती विद्रोहियों के खिलाफ 15 मार्च को शुरू किए गए अभियान के तहत ये हमले अन्य दिनों में किए गए हमलों के मुकाबले अधिक भीषण प्रतीत होते हैं। हूती विद्रोहियों ने कहा कि राजधानी सना के आसपास और हज्जा प्रांत में हुए हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

दक्षिण अफ्रीका के मंदिरों में हनुमान चालीसा की 60,000 प्रतियां वितरित

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका में एक प्रमुख हिंदू संगठन ने देश भर के आठ मंदिरों में हनुमान चालीसा की 60,000 छोटी प्रतियां वितरित की हैं। 'एसए हिंदूज' संगठन के सदस्यों ने ग्वातेंग प्रांत के विभिन्न क्लबों के मोटरसाइकिल सवार लोगों के नेतृत्व में रविवार को वितरण अभियान चलाया और उन्होंने जरूरतमंदों में वितरित करने के लिए लगभग दो टन किराने का सामान भी एकत्र किया। 'एसए हिंदूज' की संस्थापक पंडिता लूसी सिगबन ने कहा, हमें यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत सारे भक्त मंदिरों में आए और खासकर क्वाजुलू-नताल (केजेडएन) जैसे पास के प्रांतों के भी लोग इस पहल का बड़े ही उत्साह के साथ समर्थन कर रहे थे।

सूर्यास्त 01-04-2025	सूर्योदय 02-04-2025
6:20 बजे	6:05 बजे

BSE	NSE
77,414.92	23,519.35
(-191.51)	(-72.60)

सोना	चांदी
9,244 रु.	110,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

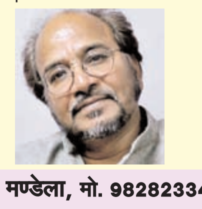

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी के मायने

सेवक खुद को मालिक कहते,
मालिक मजबूर बने वादी।
अपना ही घर भरने के हम,
हो चुके सभी इतने आदी।
घट गए मूल्य विद्वानों के,
हो गई आज मँहगी खादी।
है भेदभाव हर सिस्टम में,
फिर बोलो कैसी आजादी।।

'विश्व के पुनर्निर्माण के लिए बहुत उपयोगी है प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने विश्व पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में देश की प्राचीन ज्ञान प्रणालियों के महत्व पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि विश्व समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है।

वैदिक गणित पर एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भागवत ने वैश्विक कल्याण के लिए आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के साथ-साथ पारंपरिक भारतीय ज्ञान के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि हमारे शास्त्रों में निहित ज्ञान न केवल भारतीय ज्ञान प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि वैश्विक संदर्भ में भी इसका बहुत महत्व है। भागवत ने कहा, ''विश्व समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है और प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली दुनिया के पुनर्निर्माण के लिए बहुत उपयोगी है।'' उन्होंने कहा कि विश्व लंबे समय से भारत से समाधान की मांग कर रहा है जो आज और भी बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें कोई अन्य समाधान नहीं मिल रहा है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यदि भारत विश्व का नेतृत्व करना चाहता है, तो उसे पिछले 2,000 वर्षों में विकसित ज्ञान पर विचार करना होगा। उन्होंने कहा, ''हालांकि, यह दृष्टिकोण अधूरा और असफल है। इस अपूर्णता को दूर करने के लिए, हमारे आंतरिक मूल्यों के आधार पर हमारे शास्त्रों की समीक्षा कर देश की उन्नति के लिए आज के संदर्भ में उनका प्रभावी उपयोग करना आवश्यक है।''

देश भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ईद-उल-फित्र का त्योहार सोमवार को पूरे भारत में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और लाखों लोगों ने ईदगाहों एवं मस्जिदों में नमाज अदा की, एक-दूसरे के गले मिले तथा शांति और भाईचारे के इस पर्व की बधाई दी।

रमजान के महीने के समापन का प्रतीक है जो उत्सव, खुशी और एकजुटता के अवसर के रूप में समाप्त होता है। देश के विभिन्न हिस्सों से झड़पों की कुछ घटनाओं को छोड़कर कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण ढंग से यह त्योहार मनाया गया।

दिल्ली में ऐतिहासिक जामा मस्जिद में ईद के अवसर पर कड़ी सुरक्षा के बीच बच्चों और बुजुर्गों समेत बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की।

एक महीने तक सुबह से शाम तक उपवास रखने के बाद, लोग भोजनालयों और रेस्तरां में पहुंचे और अपने पड़ोसियों, मित्रों और रिश्तेदारों के यहां जाकर सेवई और मिठाइयां खाईं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को ईद-उल-फित्र की बधाई देते हुए कामना की कि यह त्योहार समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''ईद-उल-फित्र की हार्दिक बधाई। यह त्योहार हमारे समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। यह त्योहार आपके लिए खुशहाली लाए और आपको आपके सभी प्रयासों में सफलता मिले। ईद मुबारक।''

उत्तर प्रदेश में ईद-उल-फित्र का पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की इमामत में ईद की नमाज पढ़ी और अमन-चैन की दुआ की।

अधिकारियों ने बताया कि राजधानी लखनऊ के अलावा संभल, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, कौशांबी, रामपुर, अमेठी, हरदोई, अलीगढ़, झांसी, गोंडा समेत विभिन्न जिलों की मस्जिदों और ईदगाहों में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद की नमाज अदा की गई। कड़ी सुरक्षा और सोशल मीडिया पर निगरानी के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संचालित ड्रोन से वास्तविक समय पर निगरानी की गई।

संभल में ईद की नमाज अदा करने शाही ईदगाह जा रहे लोगों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

सरकार वक्फ विधेयक पेश करने को पूरी तरह तैयार : रीजीजू

समाज में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं कुछ दल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अल्पसंख्यक एवं संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि सरकार संशोधित वक्फ विधेयक को संसद में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों और संगठनों पर समाज में अशांति फैलाने तथा इसके प्रावधानों को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

सप्ताहांत और ईद की छुट्टी के बाद मंगलवार को संसद की बैठक पुनः शुरू होगी।

रीजीजू ने कहा कि विधेयक को पेश करने का समय संसद की बैठक के बाद विचार-विमर्श के पश्चात तय किया जाएगा, लेकिन वह चाहते हैं कि इसे यथाशीघ्र पारित किया जाए।

संसद का चालू बजट सत्र चार अप्रैल को समाप्त होना है और इस विधेयक को कानून बनाने के लिए लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों में पारित कराना होगा। सरकार ने संकेत दिया है कि वह मंगलवार को विभिन्न दलों के नेताओं के साथ विधेयक पेश करने के समय पर चर्चा करेगी। इसे सबसे पहले, संभवतः बुधवार को निचले सदन में पेश किए जाने की संभावना है।

विपक्षी दल इस विधेयक का कड़ा विरोध कर रहे हैं और इसे असंवैधानिक तथा मुस्लिम समुदाय के हितों के विरुद्ध बता रहे हैं। कई प्रमुख मुस्लिम संगठन इस विधेयक के खिलाफ समर्थन जुटा रहे हैं। इस विधेयक की संसद की संयुक्त समिति ने पड़ताल की थी तथा कई संशोधनों के साथ इसे मंजूरी दी थी।

रीजीजू ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कुछ राजनीतिक दलों और संगठनों (विपक्ष और मुस्लिम संगठनों के स्पष्ट संदर्भ में) पर समाज को गुमराह करने और तनाव बढ़ाने के लिए झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक मुसलमानों के हित में है। उन्होंने कहा कि रमजान और ईद के दौरान प्रस्तावित कानून के प्रति विरोध व्यक्त करने के लिए मुसलमानों से काली पट्टियां पहनने को कहा गया। रीजीजू ने कहा कि उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए उकसाना देश के लिए अच्छा नहीं है।

अप्रैल-जून में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की संभावना : मौसम विभाग

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है तथा मध्य एवं पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में अधिक दिन लू चल सकती है। यह बात भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कही। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पश्चिमी और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। इन दोनों क्षेत्रों में तापमान के सामान्य रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अधिकांश क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। महापात्रा ने कहा, ''अप्रैल से जून तक उत्तर और पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों, मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में सामान्य से दो से चार दिन अधिक लू चलने की संभावना है।'' आमतौर पर भारत में अप्रैल से जून तक चार से सात दिन तक लू चलती है।

मोदी सरकार ने देश के स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाया: अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले एक दशक में पूरे देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाकर भारत के स्वास्थ्य ढांचे को ऊपर उठाया है।

शाह ने कहा कि प्राथमिक से लेकर उच्चतर स्तर तक स्वास्थ्य ढांचे में सुधार किया गया है। वह यहां अग्रोहा स्थित महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज परिसर में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्मित गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) का उद्घाटन किया और स्नातकोत्तर छात्रावास की आधारशिला रखी। शाह ने विभिन्न क्षेत्रों में मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कई पहल पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। शाह ने कहा कि गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए गए हैं, जिससे 20 करोड़ लोगों को आश्रय मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रत्येक घर में शौचालय उपलब्ध कराने के केंद्र सरकार के फैसले पर भी चर्चा की।

शाह ने कहा, ''2014 तक इस देश में 12 करोड़ परिवारों के पास शौचालय नहीं थे। कल्पना कीजिए कि शौचालय विहीन परिवारों में लड़कियों की क्या स्थिति थी।'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने चिकित्सा ढांचे को बेहतर बनाने के लिए बहुत काम किया है। गृह मंत्री ने कहा, ''2013-14 में भारत सरकार का स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए बजट 37,000 करोड़ रुपए था और 2025-26 में यह 1.37 लाख करोड़ रुपए है।''

'भारत की सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली का 'ह्रास' बंद होना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की शिक्षा नीति की सोमवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि इस सरकार का मुख्य एजेंडा सत्ता का केंद्रीकरण, शिक्षा का व्यावसायीकरण तथा पाठ्यपुस्तकों का सांप्रदायिकरण है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने एक लेख में कहा कि ये तीन 'सी' आज भारतीय शिक्षा को परेशान कर रहे हैं और भारत की सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली का यह 'ह्रास' बंद होना ही चाहिए।

गांधी ने एक समाचार पत्र में प्रकाशित लेख ''द '3सी' दैट हॉन्ट इंडियन एजुकेशन टुडे'' (तीन 'सी' जो भारतीय शिक्षा के लिए आज चिंता का विषय हैं) में कहा कि हाई-प्रोफाइल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरूआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। उन्होंने कहा, ''पिछले दशक में केंद्र सरकार ने स्पष्ट रूप से दिखाया कि उसे शिक्षा के क्षेत्र में केवल तीन मुख्य एजेंडे के सफल क्रियान्वयन की चिंता है - केंद्र सरकार के पास सत्ता का केंद्रीकरण, शिक्षा में निवेश को निजी क्षेत्र को सौंपना एवं इसका व्यावसायीकरण तथा पाठ्यपुस्तकों, पाठ्यक्रम एवं संस्थानों का सांप्रदायिकरण करना।''

गांधी ने आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्ष में इस सरकार के कामकाज की पहचान ''अनियंत्रित केंद्रीकरण'' रही है, लेकिन इसके सबसे हानिकारक परिणाम शिक्षा के क्षेत्र में हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (सीएबीई), जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के शिक्षा मंत्री शामिल हैं, की बैठक सितंबर 2019 से नहीं बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 के माध्यम से शिक्षा में बड़े बदलाव करने और इसे लागू करते समय भी सरकार ने इन नीतियों के कार्यान्वयन पर राज्य सरकारों से एक बार भी परामर्श करना उचित नहीं समझा।

गांधी ने लिखा, ''यह सरकार के इस एकल संकल्प का प्रमाण है कि वह भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में शामिल विषय पर भी अपनी आवाज के अलावा किसी और की आवाज नहीं सुनती।''

ट्रंप ने पुतिन और जेलेंस्की के रुख के प्रति निराशा व्यक्त की

वाशिंगटन/एपी। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्षविराम को लेकर किसी सहमति पर नहीं पहुंच पाने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को निराशा व्यक्त की और युद्ध को समाप्त करने की अपनी पहल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं यूक्रेन के उनके समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के रुख को लेकर उन पर निशाना साधा।

ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने (संघर्षविराम की दिशा में) काफी प्रगति की है'' और स्वीकार किया कि दोनों नेताओं के बीच ''काफी कटुता है''। यह एक नया संकेत है कि बातचीत से ट्रंप तत्काल हल नहीं निकाल सकते जिसका उन्होंने अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान वादा किया था। ट्रंप ने फ्लोरिडा में अपने निजी क्लब 'मार-ए-लागो' में सुबह 'एनबीसी न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह जेलेंस्की की विश्वसनीयता पर पुतिन द्वारा सवाल उठाए जाने से ''क्षुब्ध और खिन्न'' हैं। रूसी नेता ने हाल में कहा कि जेलेंस्की के पास शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने का अधिकार नहीं है और सुझाव दिया था कि यूक्रेन को बाहरी शासन की जरूरत है।

इजराइल की सेना ने रफा के अधिकांश हिस्से से लोगों को निकलने के आदेश दिए

दीर अल-बला/एपी। इजराइल की सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा के अधिकांश हिस्सों को खाली करने के आदेश जारी किए हैं, जो गाजा पट्टी के सबसे दक्षिणी शहर में इजराइली सेना द्वारा एक और बड़ा जमीनी अभियान शुरू करने के संकेत हैं।

इजराइल ने इस महीने की शुरूआत में हमास समूह के साथ अपने युद्ध विराम को समाप्त कर दिया और हवाई एवं जमीनी युद्ध को फिर से शुरू कर दिया। मार्च की शुरूआत में इसने क्षेत्र के लगभग 20 लाख फलस्तीनियों को भोजन, ईंधन, दवा और मानवीय सहायता की सभी आपूर्ति काट दी ताकि हमास पर युद्ध विराम समझौते में बदलावों को स्वीकार करने का दबाव बनाया जा सके।

निकासी के आदेश लगभग पूरे शहर और आस-पास के इलाकों के लिए जारी किए गए प्रतीत होते हैं। सेना ने फलस्तीनियों को मुवासी की ओर जाने का आदेश दिया, जो तट के किनारे तंबुओं वाला रिहायशी इलाका है। यह आदेश ईद-उल-फित्र के दौरान आया, जो आम तौर पर रमजान के पाक महीने के दौरान रोजे की समाप्ति पर महीने के आखिर में मनाया जाने वाला एक त्योहार है। पिछले साल मई में इजराइल ने मिस्र की सीमा पर रफा में एक बड़ा अभियान चलाया।

मुम्बई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आठ विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुम्बई/एजेन्सी। अश्विनी कुमार (चार विकेट) और दीपक चाहर (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद रायन रिकलटन (नाबाद 62) की शानदार पारी के दम पर सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 12वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आठ विकेट से हरा दिया। आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई की पहली जीत है। कोलकाता नाइट राइडर्स के 116 रन के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा और रायन रिकलटन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिए 46 रन जोड़े। छठें ओवर में रसल ने रोहित शर्मा (13) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रसल ने विल जैक्स (16) को अपना दूसरा शिकार बनाया। मुम्बई ने 12.5 ओवर में दो विकेट पर 121 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। रायन रिकलटन ने 41 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के लगाते हुए (62) रनों की मैच विजयी पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने नौ गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 27) रन बनाये।

कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से आंद्रे रसल ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया।

सर्वमंगल की कामना ही आध्यात्मिक उन्नति और मानवीय संस्कृति का प्राणतत्व है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

नववर्ष पर नगरथपेट संघ में हुए अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नगरथपेट स्थित अजितनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में रविवार को चैत्री नववर्ष और नवरात्रि के शुभारंभ के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी और गणिश्री पद्मविमलसागरजी आदि श्रमणों के सान्निध्य में विघ्नहर्ता मंगलकारक गौतमस्वामी गणधर का मंत्रमय अनुष्ठान किया गया। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को उनका जन्मदिन होता है। सभी ने ध्यान-प्राणायाम पूर्वक महामांगलिक का श्रवण कर सर्वमंगल की कामना की। गौतम अष्टक, चालीसा द्वारा विविध विधान किए गए। भगवान, नवग्रह और दैविक तत्वों के संगीतमय मंत्रजाप किए गए। अनेक श्रद्धालुओं ने संकल्पपूर्वक खीर का एकासना और आयंबिल तप किया। संध्याभक्ति के साथ नववर्ष के कार्यक्रमों का समापन हुआ। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सर्वमंगल की कामना ही आध्यात्मिक उन्नति और मानवीय संस्कृति का प्राणतत्व है। हमें स्वमंगल से आगे बढ़कर सर्वमंगल की कामना तक अपनी मनोभावनाओं का विस्तार करना चाहिए। यही हमारी पूजा, प्रार्थना और साधना का सार है। जो सबकी सुख-शांति और उन्नति देख नहीं सकता, वह कभी भगवान तक पहुंच नहीं सकता। दूसरों के सुख में अपना सुख देखने का दृष्टिकोण ही असामान्य भावोप्लब्धि है। नूतन वर्ष पर हम सबके मन की यही कामना होनी चाहिए। विभिन्न प्रान्तों और देशों में नववर्ष अलग-अलग रूपों में मनाए जाते हैं, लेकिन सबकी मनोभूमिका एक समान है, सुख-शांति और उन्नति की अभिलाषा। गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि कोमल व पवित्र हृदय में परमात्मा का वास होता है। जहां मलिनता या कठोरता है, वहां साधना कभी फलीभूत नहीं होती।

समान नागरिक संहिता की गंगोत्री सभी राज्यों को लाभ प्रदान करेगी : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को कहा कि जिस तरह गंगोत्री से मां गंगा निकल कर पूरे देश को सींचती हैं, उसी प्रकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की शुरुआत उत्तराखंड से हुई और यूसीसी की गंगोत्री सभी राज्यों को लाभ प्रदान करेगी।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सम्मान में आयोजित एक समारोह में धामी ने कहा, दिल्ली में हुए श्रद्धा हत्याकांड जैसी घटनाओं को उत्तराखंड में नहीं होने दिया जायेगा। इस कानून में सहजीवन संबंध में रहने वाले लोगों की जानकारी उनके परिवार को देने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''यूसीसी लागू होने के बाद मुस्लिम बहनें भाजपा सरकार को धन्यवाद दे रही हैं। यूसीसी का प्रभाव सिर्फ उत्तराखंड तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश में इसकी समरस धारा बहेगी।

धामी ने स्पष्ट किया कि यह कानून किसी धर्म, समुदाय या पंथ के खिलाफ नहीं है। यह कानून संपत्ति के उत्तराधिकार से जुड़े विवादों का भी समाधान करेगा और महिलाओं के सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाएगा।

इस दौरान बरेली के महापौर और इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति उमेश गौतम और उनके बेटे पार्थ गौतम ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों के लिए समान है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के अनुरूप है। उन्होंने अनुच्छेद 370, अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के निर्माण, तीन तलाक से जुड़े कानून और या नागरिकता (संशोधन) कानून का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2014 के बाद से देश में वह हर काम हो रहा है जिसकी इस देश को काफी समय से प्रतीक्षा थी।

भारत में टिकाऊ विमान ईंधन का बड़ा उत्पादक बनने की क्षमताः एयरबस अधिकारी

टूलूज (फ्रांस)/भाषा। दिग्गज विमान विनिर्माता एयरबस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत को टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) का बड़ा उत्पादक बनने की क्षमता से लैस बताते हुए कहा है कि इसके प्रोत्साहन के लिए मददगार नीतियों की जरूरत है।

एयरबस में एसएएफ खंड के प्रमुख जूलियन मैन्हेस ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा है कि एसएएफ बनाने में कच्चे माल के तौर पर चावल और गेहूं के भूसे का उपयोग भी किया जा सकता है जिसकी भारत में पूरी उपलब्धता है। मैन्हेस ने कहा, ''भारत में एसएएफ का बेहतरीन उत्पादक बनने के लिए कई खूबियां हैं। पहली बात तो यह है कि भारत में इसके कच्चे माल की भरपूर उपलब्धता है। यहां बहुत सारा बायोमास कचरा, खाना पकाने का इस्तेमाल हुआ तेल (और) शहरी इलाकों का ठोस कचरा है।'' उन्होंने कहा, ''भारत में धान की पराली को हर साल जलाया जाता है जिससे दिल्ली में हवा की गुणवत्ता बहुत खराब हो जाती है। इनका इस्तेमाल एसएएफ के लिए कच्चे माल के तौर पर किया जा सकता है।''

भारत का विदेशी कर्ज दिसंबर अंत तक बढ़कर 717.9 अरब डॉलर हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत का विदेशी ऋण दिसंबर, 2024 के अंत तक 10.7 प्रतिशत बढ़कर 717.9 अरब डॉलर हो गया। दिसंबर, 2023 में यह 648.7 अरब डॉलर था। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

भारत की तिमाही विदेशी ऋण रिपोर्ट के अनुसार, तिमाही आधार पर, दिसंबर 2024 में विदेशी कर्ज में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सितंबर, 2024 के अंत में यह 712.7 अरब डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर, 2024 के अंत तक विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात 19.1 प्रतिशत रहा, जबकि सितंबर, 2024 में यह 19 प्रतिशत था।

इसमें कहा गया, ''दिसंबर, 2024 के अंत में भारत के बाह्य यानी विदेशी ऋण में अमेरिकी डॉलर मूल्य में ऋण की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 54.8 प्रतिशत रही। इसके बाद भारतीय रुपए (30.6 प्रतिशत), जापानी येन (6.1 प्रतिशत), एसडीआर (4.7 प्रतिशत) और यूरो (तीन प्रतिशत) का स्थान रहा।'' रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर, 2024 के अंत में केंद्र सरकार के बकाया बाह्य कर्ज में कमी आई, जबकि गैर-सरकारी क्षेत्र के बकाया ऋण में सितंबर, 2024 की तुलना में वृद्धि हुई। कुल बाह्य ऋण में गैर-वित्तीय निगमों के बकाया ऋण की हिस्सेदारी 36.5 प्रतिशत थी। इसके बाद जमा स्वीकार करने वाले निगम (केंद्रीय बैंक को छोड़कर) (27.8 प्रतिशत), केंद्र सरकार (22.1 प्रतिशत) और अन्य वित्तीय निगम (8.7 प्रतिशत) का स्थान रहा। इसमें कहा गया है कि बाह्य कर्ज में ऋण की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 33.6 प्रतिशत थी। इसके बाद मुद्रा और जमा (23.1 प्रतिशत), व्यापार ऋण और अग्रिम (18.8%) और ऋण प्रतिभूतियों (16.8 प्रतिशत) की हिस्सेदारी रही।

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करने वाले आतंकियों के लिए तलाशी अभियान तेज, 6 हिरासत में

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में हाल ही में हुई मुठभेड़ के दौरान भागने वाले तीन लोगों की संदिग्ध गतिविधि की ताजा रिपोर्ट के बाद सुरक्षा बलों ने रात भर की गयी घेराबंदी के बाद हवाई निगरानी और श्वान दस्तों का इस्तेमाल करते हुए तलाश अभियान और तेज कर दिया है। माना जा रहा है कि वे आतकवादी हो सकते हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कठुआ जिले के सान्याल बेल्ट में एक सुदूर जंगली इलाके में बृहस्पतिवार को गोलीबारी के दौरान दो आतंकवादी और चार पुलिसकर्मी मारे गए, जबकि एक पुलिस उपाधीक्षक समेत तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने पूछताछ के लिए छह लोगों को हिरासत में लिया है और इलाके की पड़ताल के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सांबा सेक्टर में भी तलाश अभियान शुरू किया है। इसके साथ ही पूरे सीमावर्ती इलाके को अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि रविवार रात को तीन संदिग्ध आतंकवादी, मुठभेड़ स्थल से कई किलोमीटर दूर रुई गांव में एक घर में घुस गए और उनकी रसोई से खाना चुरा ले गए।

एक अधिकारी ने बताया, ''आतंकवादियों की ताजा गतिविधियों के बाद बहुस्तरीय तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। रात भर की घेराबंदी के बाद आज सुबह घाटी-जुथाना वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया।'' अधिकारियों ने बताया कि हवाई निगरानी और खोजी कुत्तों की मदद से सेना, पुलिस, एनएसजी, सीआरपीएफ और बीएसएफ राजबाग क्षेत्र के रुई, जुथाना, घाटी और सान्याल के वन क्षेत्रों और बिलावर के कुछ हिस्सों में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए बहुस्तरीय अभियान चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त अभियान दल अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे इलाकों में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के भूमिगत नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

संसदीय समिति ने दिया पांडुलिपि चित्रों को पाठ में बदलने के लिए एआई आधारित मंच तैयार करने का सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक समिति ने ऐसी उन्नत ज्ञान ढांचा विकसित करने की सिफारिश की है, जिसमें पांडुलिपि छवियों को खोज योग्य पाठ में परिवर्तित करने और प्रमुख भारतीय भाषाओं में अनंतिम अनुवाद प्रदान करने के लिए एक एआई-सहायता प्राप्त मंच बनाना शामिल हो।

परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधी स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिया है कि संस्कृति मंत्रालय ''जमीन पर काम करने वाले कर्मियों को पंडुलिपि मित्र के रूप में सशक्त बनाने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम'' शुरू कर सकता है। समिति ने पिछले सप्ताह संसद में प्रस्तुत 'संस्कृति मंत्रालय की अनुदान मांगों (2025-26)' पर अपनी रिपोर्ट में कहा, ''इन प्रशिक्षित व्यक्तियों को स्थानीय स्तर पर पांडुलिपियों के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और डिजिटलीकरण में सहायता करने के लिए आवश्यक कौशल व ज्ञान से सशक्त किया जाएगा।'' मौजूदा डिजिटलीकरण प्रयासों के आधार पर, समिति ने पांडुलिपियों के संरक्षण और दस्तावेजीकरण के लिए एक व्यापक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के विकास की सिफारिश की है।

मिलावटी कुट्टू का आटा खाने से 100 से अधिक लोग बीमार, मुख्यमंत्री धामी मरीजों से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। देहरादून में कथित तौर पर मिलावटी कुट्टू का आटा खाने से 100 से अधिक लोग बीमार हो गए जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। घटना की सूचना मिलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल पहुंचकर मरीजों का हालचाल जाना। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सभी मरीजों की हालत अब सामान्य है।

देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने यहां बताया कि खाद्य विषाक्तता (फूड प्वाइजिंग) की वजह से बीमार पड़े 66 लोगों को कोरोनेशन अस्पताल तथा 44 को दून मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से कुछ लोगों की तबीयत रविवार रात में बिगड़ी जबकि अन्य लोगों को बीमार होने पर सोमवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिंह ने बताया कि सभी मरीजों की हालत सामान्य है और चिंता की कोई बात नहीं है ।

सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कुट्टू के जिस आटे को खाने के बाद लोगों की तबीयत खराब हुई, उसकी आपूर्ति उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से हुई थी। उन्होंने बताया कि मरीजों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने 22 दुकानों को चिह्नित करके सील कर दिया है और वहां के सभी खाद्य पदार्थो को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुकानदारों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सिंह ने बताया कि सहारनपुर के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से बात की है। एक टीम सहारनपुर के लिए रवाना की गयी है। सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी कोरोनेशन अस्पताल पहुंचे और मरीजों का हाल-चाल जाना।

दंतेवाड़ा जिले में मुठभेड़ में 45 लाख की इनामी महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने 45 लाख रुपए की इनामी एक महिला नक्सली को मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की सदस्य गुम्माडिवेली रेणुका उर्फ भानु उर्फ चैते उर्फ सिरस्वती उर्फ दमयन्ती को मार गिराया है। रेणुका के सिर पर कुल 45 लाख रुपए का इनाम था। नक्सली के सिर पर छत्तीसगढ़ शासन ने 25 लाख रुपए तथा तेलंगाना शासन ने 20 लाख रुपए का इनाम रखा था। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्र के अंतर्गत गीदम थाना (दंतेवाड़ा) के नेलगोड़ा, इकेली और बेलनार गांव के मध्य स्थित जंगल में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर रविवार को दंतेवाड़ा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और बस्तर फाईटर्स के जवानों को गश्त के लिए रवाना किया गया था। राय ने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह लगभग नौ बजे नेलगोड़ा, इकेली और बेलनार के मध्य स्थित जंगल में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई जो लगभग दो घंटे तक जारी रही।

दीपक फर्टिलाइजर्स की इकाई को आयकर विभाग से 226 करोड़ रुपए का नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कॉरपोरेशन लि. की अनुषंगी कंपनी को कर निर्धारण वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए आयकर विभाग से 226.32 करोड़ रुपए का नोटिस मिला है। दीपक फर्टिलाइजर्स ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी महाधन एग्रीटेक लि. के खिलाफ जुर्माना लगाने का आदेश दिया गया है। सहायक आयकर आयुक्त (सेंट्रल सर्किल, मुंबई) ने 30 मार्च, 2025 की तारीख का नोटिस जारी किया है। आयकर अधिनियम 1961 की विभिन्न धाराओं के तहत कर आकलन वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए कुल जुर्माना मांग 226.32 करोड़ रुपए है। दीपक फर्टिलाइजर्स ने कहा कि कंपनी मौजूदा जुर्माना आदेश के खिलाफ अपील दायर करने की प्रक्रिया में है।

बीड मस्जिद विस्फोट : महाराष्ट्र में अशांति फैलाने की महायुति की मंशा का हिस्सा हो सकता है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलढाणा/भाषा। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने सोमवार को आरोप लगाया कि बीड में एक धार्मिक ढांचे में विस्फोट राज्य में सांप्रदायिक अशांति भड़काने के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के ''उद्देश्य'' का हिस्सा हो सकता है। सपकाल ने आरोप लगाया कि प्रगतिशील महाराष्ट्र में अंग्रेजों के जमाने की 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनायी जा रही है और सांप्रदायिकता की राजनीति फैलायी जा रही है।

सपकाल ने बुलढाणा में संवाददाताओं से कहा, ''विविधता में एकता भारत और इसके लोगों की पहचान है। महाराष्ट्र धर्म स्वाभाविक रूप से प्रगतिशील है, लेकिन यह सांप्रदायिकता के संकट का सामना कर रहा है।''

कांग्रेस नेता सपकाल ने राज्य में फूट डालो और राज करो की ब्रिटिशकालीन नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा, ''मुझे उम्मीद है कि सदबुद्धि आएगी। सत्तारूढ़ गठबंधन महाराष्ट्र को अशांत रखना चाहता है और बीड मस्जिद विस्फोट इसी मकसद का हिस्सा हो सकता है।'' ईद-उल-फितर से पहले रविवार की सुबह जियोराई तहसील के अर्ध मसला गांव में दो समूहों के बीच तकरार के बाद एक मस्जिद में विस्फोट हुआ। इस संबंध में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। सपकाल ने कहा कि महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति में गिरावट आ रही है और अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''कई मामलों में अपराधी नहीं मिलते। कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है।'' पुलिस के अनुसार, इस साल जनवरी से महाराष्ट्र में सांप्रदायिक अशांति की 823 घटनाएं हुई हैं, जिसमें नागपुर में हुई हिंसा भी शामिल है।

पुलिस ने कहा है कि हाल के दिनों में छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल बादशाह की कब्र को हटाने की दक्षिणपंथी संगठनों की मांग को लेकर नंदुरबार, पुणे (ग्रामीण), रत्नागिरि, सांगली, बीड और सतारा जिलों के अलावा अन्य क्षेत्रों में सांप्रदायिक अशांति देखी गई।

एपीएम गैस के दाम बढ़े, सीएनजी हो सकती है महंगी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को प्रशासित मूल्य प्रणाली (एपीएम) के दायरे में आने वाले पुराने क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत में चार प्रतिशत की वृद्धि की। इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस सीएनजी, बिजली और उर्वरक के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्चा माल है। ऐसे में एपीएम गैस के दाम बढ़ने से सीएनजी के दाम बढ़ सकते हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की एक अधिसूचना में कहा गया है कि एपीएम गैस की कीमत एक अप्रैल से 6.50 डॉलर प्रति यूनिट (एमएमबीटीयू) से बढ़ाकर 6.75 डॉलर प्रति यूनिट कर दी गई है। एपीएम गैस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) द्वारा उन क्षेत्रों से उत्पादित की जाती है, जो उन्हें नामांकन के आधार पर दिये गये थे।

इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस का उपयोग कच्चे माल के रूप में पाइप के जरिये रसोई गैस (पीएनजी) के साथ-साथ वाहन चलाने के लिए सीएनजी और उर्वरक तथा बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। यह दो साल में एपीएम गैस की कीमत में पहली वृद्धि है।

वोडाफोन आइडिया को सरकार से मिली समय पर राहत, नकदी प्रवाह बढ़ेगा : सिटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) के 36,950 करोड़ रुपए के स्पेक्ट्रम बकाया को हिस्सेदारी में बदलने को लेकर सरकार की मंजूरी मुश्किलों में घिरी फर्म के समर्थन का एक 'बड़ा' और 'समय पर' उठाया गया कदम है। ब्रोकरेज कंपनी सिटी ने यह बात कही है। सिटी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि इस हिस्सेदारी अधिग्रहण से दूरसंचार कंपनी को अगले तीन साल में नकदी प्रवाह के मोर्चे पर बड़ी राहत मिलेगी। इससे कंपनी को लंबे समय से लंबित बैंक ऋण जुटाने में भी मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार के इस कदम से इंडस टावर्स जैसी टावर कंपनियों की चिंताएं भी दूर हो गई हैं।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने रविवार को एक नियामकीय सूचना में कहा था कि सरकार ने स्पेक्ट्रम नीलामी की बकाया राशि के बदले 36,950 करोड़ रुपए मूल्य के नए शेयरों के अधिग्रहण के साथ कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत करने पर सहमति जता दी है। सरकार वर्तमान में 22.6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ इसकी सबसे बड़ी शेयरधारक है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि उसे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) एवं अन्य प्राधिकरणों से आवश्यक आदेश जारी होने के बाद 30 दिन के भीतर 10 रुपए के अंकित मूल्य वाले 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर 10 रुपए के निर्गम मूल्य पर जारी करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही वोडाफोन आइडिया ने कहा कि उसके प्रवर्तकों के पास कंपनी का परिचालन नियंत्रण बना रहेगा। ब्रोकरेज फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''हम इसे बहुत ही समय पर सरकार द्वारा समर्थन का एक बड़ा कदम मानते हैं, जो अगले तीन वर्षों में वीआईएल को महत्वपूर्ण नकदी प्रवाह में राहत प्रदान करेगा और इसे अपने बैंक ऋण जुटाने में मदद करेगा।'' सिटी ने इसे 'महत्वपूर्ण विकास' बताते हुए कहा, ''स्पेक्ट्रम बकाया को इक्विटी में बदलने से वोडाफोन आइडिया का कुल शुद्ध ऋण लगभग 18 प्रतिशत कम हो जाएगा। हमारा अनुमान है कि कंपनी का अगले तीन वित्त वर्षों में देय स्पेक्ट्रम बकाया 11,000/ 25,000/ 25,000 करोड़ रुपए से घटकर लगभग 500/5,000/15,000 करोड़ रुपए हो सकता है। इस तरह अगले तीन वर्षों में 40,000 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी प्रवाह राहत मिलेगी।'' हालांकि, सिटी ने कहा कि वर्ष 2021 के बाद मिले स्पेक्ट्रम के लिए लगभग 2,200 करोड़ रुपए का वार्षिक स्पेक्ट्रम भुगतान और 16,500 करोड़ रुपए का वार्षिक समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भुगतान देय रहेगा। सिटी ने कहा कि इस राहत से वीआईएल को बैंकों से लंबे समय से विलंबित ऋण जुटाने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के एक कदम और करीब पहुंचने में मदद मिलेगी।

ईडी ने मकान खरीदारों से धोखाधड़ी मामले में गुरुग्राम की कंपनी की 95 करोड़ रु की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने गुरुग्राम की एक रीयल इस्टेट कंपनी और उसके कर्ताधर्ता के खिलाफ 950 से अधिक मकान खरीदारों से धोखाधड़ी के आरोपों में धनशोधन जांच के तहत करीब 95 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में कहा कि सिद्धार्थ बिल्डहोम प्राइवेट लिमिटेड (एसबीपीएल) के प्रवर्तक सिद्धार्थ चौहान, उनकी कंपनियों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। एजेंसी ने कहा कि हरियाणा के गुरुग्राम में भूखंडों, आवासीय और व्यावसायिक भवनों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अस्थायी आदेश जारी किया गया है। ईडी के अनुसार कुर्क की गई संपत्ति की कीमत 94.82 करोड़ रुपए है। ईडी के आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए कंपनी के प्रवर्तक से संपर्क नहीं हो सका। धनशोधन का यह मामला दिल्ली पुलिस के आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज कुछ प्राथमिकियों पर आधारित है। एसबीपीएल कंपनी की गुरुग्राम स्थित एस्टेला और एनसीआर वन नामक परियोजनाओं में फ्लैट खरीदने वाले कुछ लोगों की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कंपनी ने वादे के अनुसार समय पर मकान पर कब्जा नहीं दिया।

तमिलनाडु में ईद हर्षोल्लास से मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सोमवार को ईद के अवसर पर विशेष नमाज अदा करने के लिए राज्य भर में मस्जिदों और निर्धारित स्थानों पर लोगों की भीड़ उमड़ी। यह त्यौहार हमेशा की तरह इस बार भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तथा लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

सामूहिक रूप से नमाज अदा करने के लिए एकत्रित हुए लोगों में से एक ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, हम पिछले 30 दिनों से रोज़ा रख रहे थे। आज रोज़े को समाप्त करने के प्रतीक के रूप में हम ईद-उल-फितर मना रहे हैं। चेन्नई समेत राज्य के अन्य स्थानों पर युवा और बुजुर्ग सभी ने नमाज अदा की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी और कई राजनीतिक नेताओं ने लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं।

ईद की शुभकामनाएं देते हुए स्टालिन ने कहा कि मुसलमान इस अवसर पर 30 दिनों तक उपवास रखकर तथा गरीबों और वंचितों के प्रति दया दिखाकर इस त्यौहार को मनाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, पैगंबर मोहम्मद ने विलासितापूर्ण जीवन जीने से परहेज किया और प्रेम एवं अनुशासन के साथ सादा जीवन व्यतीत किया। उन्होंने जरूरतमंदों को भोजन कराने और भाईचारे को अपनाने का मार्ग दिखाया।

पलानीस्वामी ने अपने शुभकामना संदेश में मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए पार्टी द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को याद किया और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी सदैव मुस्लिम समुदाय की रक्षक रहेगी।

अन्नाद्रमुक प्रमुख भी 'घिबली' ट्रेंड का हिस्सा बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पडी के. पलानीस्वामी सोमवार को स्टूडियो 'घिबली ट्रेंड' का हिस्सा बने।

उन्होंने अपने कुछ सबसे ''यादगार पलों'' की एनिमेटेड तस्वीरें साझा कीं। स्टूडियो घिबली एक तस्वीर बनाने का फीचर है जिसे 'चैटजीपीटी' द्वारा विकसित किया गया है। 'चैटजीपीटी' ओपनएआई द्वारा विकसित लोकप्रिय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) चैटबॉट है और इसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन सहित कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। तमिलनाडु में विपक्ष के नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तमिलनाडु के दिल से स्टूडियो घिबली की दुनिया तक। अपने कुछ सबसे यादगार पलों को इस कालातीत कला के साथ मिलाते हुए। एनिमेटेड तस्वीरों में उनके सार्वजनिक संवाद शामिल हैं, जिसमें एक खेत में किसानों और खेत मजदूरों के समूह के साथ उनकी बातचीत भी शामिल है।

केसीजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी का हुआ ग्रेजुएशन डे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केसीजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी द्वारा 23 वे ग्रेजुएशन-डे का आयोजन जोश एवं उत्साह के साथ किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एयरपोर्ट निदेशक सीवी दीपक ने 915 से अधिक स्नातकों को अकादमिक डिग्रियां प्रदान की। इस समारोह में 2023 बैच के 15 रैंक धारकों तथा 2024 बैच के 19 रैंक धारकों को डिग्री प्रमाण पत्र, पदक तथा सात लाख रुपए से अधिक के नगद पुरस्कार प्रदान किए गए।

संस्थान द्वारा इन दोनों बैचों के छात्रों के लिए 94 प्रतिशत से अधिक प्लेसमेंट रिकॉर्ड की घोषणा की गई जिसमें सिविल, इलेक्ट्रिकल्स, इंजीनियरिंग विभागों ने प्रमुख कंपनियों में सौ प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया है। समारोह में 2024 बैच के दो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग छात्र लोगेश्वरन एम तथा हरिहरण द्वारा विकसित स्केल मॉडल मेघनाथ का अनावरण किया गया।

इस अवसर पर स्टार्टअप तमिलनाडु तथा तमिलनाडु स्टार्टअप एंड इन्नोवेशन मिशन के निदेशक शिवराज रामनाथन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदुस्तान ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के अध्यक्ष डॉ. आनंद जैकब वर्गीश ने की प्रिंसिपल डॉ. मुथुकन्नन में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। इस समारोह में केसीजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. एनी जैकब हिंदुस्तान ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के उपनिदेशक डॉ एनिड जैकब वर्गीश डीन अकादमिक डॉ. प्रभाकरन तथा संस्थान के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि एयरपोर्ट निदेशक सीवी दीपक ने स्नातकां को बधाई देते हुए इस बात पर जोर दिया कि सीखना कॉलेज के साथ ही समाप्त नहीं होता वरन यह जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है उन्होंने कहा कि नए स्नातकों को सही कौशल विकसित करने कड़ी मेहनत करने तथा रणनीतिक योजना बनाने और हर कदम को सफलता में बदलने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।.0 कार्यक्रम के दूसरे अतिथि शिवराज रामनाथन ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को अपने करियर पथ की चिंता किए बिना हर चुनौती का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए उन्होंने कहा कि जीवन के हर चरण में अनुकूलनशील होने भूलने तथा फिर से सीखने और जिज्ञासु होने तथा उद्यमशीलता क्षमता को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।

केसीजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष डॉ आनंद जैकब वर्गीश ने अपने अध्यक्षीय भाषण में व्यावसायिक सफलता में मूल्य के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी और प्रतिस्पर्धा से प्रेरित दुनिया में अपने निर्णय मूल्यों द्वारा निर्देशित होने चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्नातकों को प्राप्त डिग्री न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि बल्कि वैश्विक बेहतरी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करेगी।

'कुणाल कामरा का मुंबई जाना इस समय सुरक्षित नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्टैंडअप कमीडियन कुणाल कामरा के वकील वी. सुरेश ने दावा किया कि इस वक्त उनका मुंबई जाना सुरक्षित नहीं होगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का नाम लिए बिना उन्हें गद्दार कहने के बाद कामरा एक नए विवाद में फंस गए हैं। इसे लेकर उनके वकील वी. सुरेश ने आईएएनएस से बातचीत की। मद्रास हाई कोर्ट में शुक्रवार को दायर याचिका में कामरा ने कहा कि वह 2021 में मुंबई से तमिलनाडु शिफ्ट हो गए और तब से वहीं रह रहे हैं। उन्होंने मुंबई पुलिस की गिरफ्तारी का डर भी जताया।

कुणाल कामरा ने फरवरी में नया भारत नामक एक कार्यक्रम के लिए एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जो 23 मार्च (रविवार) को अपलोड किया गया। वीडियो अपलोड होते ही महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई।

नया भारत एपिसोड में कामरा ने कई सार्वजनिक हस्तियों, जिनमें राजनीतिक नेता भी शामिल हैं, पर व्यंग्य किया, लेकिन यह स्पष्ट करना जरूरी है कि उन्होंने महाराष्ट्र के किसी भी व्यक्ति का नाम नहीं लिया था। उनका व्यंग्य एक बॉलीवुड गाने के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने देश की राजनीति की स्थिति की आलोचना की। इसके बावजूद, वीडियो अपलोड होते ही उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर दी गई। अगले ही दिन, शिवसेना (शिंदे गुट) से जुड़े लोगों ने मुंबई के एक होटल में तोड़फोड़ की और वहां के स्थानीय लोगों पर हमला किया। इतनी गंभीर घटना के बावजूद, पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

वहीं, पुलिस ने कुणाल कामरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। इससे शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ताओं की ओर से और भी उग्र प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ विधायकों ने खुलेआम धमकी दी कि वे कुणाल कामरा का मुंह काला कर देंगे और उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। ये धमकियां कामरा की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे में मुंबई जाना उनके लिए सुरक्षित नहीं है।

मंत्री ने आशा कार्यकर्ताओं से अपने कटे हुए बाल केंद्र को भेजने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के श्रम मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सोमवार को मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) की, कथित सरकारी उदासीनता के विरोध में अपने बाल काटने और सिर मुंडवाने के लिए उनकी कड़ी आलोचना की और सुझाव दिया कि उन्हें इसके बजाय राज्य के केंद्रीय मंत्रियों के माध्यम से केंद्र सरकार को अपने ये कटे हुए बाल भेजने चाहिए। मंत्री ने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं को नयी दिल्ली में केंद्र के समक्ष अपना विरोध और बाल काटने का प्रदर्शन करना चाहिए था।

शिवनकुट्टी ने एक बयान में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय प्रतिनिधियों ने विरोध प्रदर्शन में घुसपैठ की थी। शिवनकुट्टी राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री के रूप में भी कार्य करते हैं। मंत्री ने सुरेश गोपी पर कटाक्ष करते हुए टिप्पणी की कि आशा कार्यकर्ताओं को मांगी गई वेतन वृद्धि नहीं मिलेगी, भले ही केंद्रीय मंत्री उन्हें कोट और छाते वितरित करें।

उन्होंने कहा, कई दिन हो गए हैं जब मैंने केंद्रीय श्रम मंत्री को एक पत्र भेजा था, जिसमें अनुरोध किया गया था कि आशा सहित योजना कार्यकर्ताओं को श्रमिक का दर्जा दिया जाए और केंद्रीय श्रम अधिनियम के तहत लाभ का पात्र बनाया जाए। हालांकि, मुझे अब तक कोई जवाब नहीं मिली है। शिवनकुट्टी ने राज्य के केंद्रीय मंत्रियों सुरेश गोपी और जॉर्ज कुरियन से भी आग्रह किया कि वे आशा कार्यकर्ताओं द्वारा उठाई गई मांगों को मंजूरी देने के लिए केंद्र पर दबाव डालें।

उन्होंने इस दावे का भी खंडन किया कि केरल में आशा कार्यकर्ताओं को केवल 7,000 रुपये वेतन मिलता है। उन्होंने कहा कि यह ''अभियान निराधार'' है। उनके अनुसार, निर्धारित शर्तों के तहत आशा कार्यकर्ताओं को टेलीफोन भत्ते सहित 13,200 रुपये तक का वेतन मिलता है, जिसमें 10,000 रुपये राज्य का योगदान होता है। मंत्री शिवनकुट्टी की टिप्पणी दर्जनों आशा कार्यकर्ताओं द्वारा सोमवार को सचिवालय के बाहर अपना विरोध प्रदर्शन तेज करने के तुरंत बाद आई। आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के प्रति सरकार की कथित उदासीनता'' के खिलाफ विरोध के भावनात्मक संकेत के रूप में अपने बाल कटवा लिए और कुछ ने तो अपना सिर भी मुंडवा लिया।

सोमवार को विरोध प्रदर्शन का 50वां दिन है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक केंद्र के बाहर अपना आंदोलन तेज कर दिया, जो लंबे समय से जारी उनके अभियान में एक नया चरण है। सुबह विरोध स्थल पर विभिन्न जिलों से कई आशा कार्यकर्ताओं के एकत्र होने पर भावनात्मक दृश्य सामने आए। उन्होंने विरोध स्वरूप सामूहिक रूप से अपने बाल कटवाए और सरकार के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन में अपना सिर पूरी तरह मुंडवाने से पहले एक प्रदर्शनकारी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाई और फू-फूट कर रोने लगी।

तटरक्षक ने तमिलनाडु में 'सी कुकुंबर'' की अवैध खेप जब्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय तटरक्षक ने सोमवार को कहा कि उसने तमिलनाडु में रामेश्वरम के निकट समुद्री जीव ''सी कुकुंबर'' की ''अवैध खेप'' जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत 80 लाख रुपये है।

यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, तटरक्षक ने रविवार को रामेश्वरम के निकट दक्षिण उचीपुली समुद्र तट के पास प्रतिबंधित सामान की संभावित ढुलाई के बारे में खुफिया सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की। विज्ञप्ति के अनुसार, मंडपम में तटरक्षक की निकटवर्ती इकाई ने तुरंत तस्करी विरोधी अभियान शुरू कर दिया। तटरक्षक की खुफिया टीम ने तत्काल एयर कुशन व्हीकल (एसीवी) एच-197 को क्षेत्र में व्यापक निगरानी के लिए भेज दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है, अभियान के दौरान, ''सी कुकुंबर'' से भरे पांच ड्रम देखे गए और उन्हें बरामद किया गया, जिनका वजन लगभग 200 किलोग्राम था। जब्त माल का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 80 लाख रुपये है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह सफल अभियान तस्करी-विरोधी, अवैध शिकार-विरोधी और समुद्री जैव विविधता के संरक्षण के प्रति तटरक्षक की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

आठ महीने बाद भी भूस्खलन प्रभावित मुंडक्कई और चूरलमाला भूतिया शहर जैसे दिख रहे, हर तरफ सन्नाटा

वायनाड/भाषा। केरल के वायनाड जिले के चूरलमाला में एक दुकान की छाया में चिलचिलाती गर्मी से राहत के लिए खड़ी 56 वर्षीय सुहरा जोसेफ बेली ब्रिज' के उस पार मलबे को देख रही थीं, जहां कभी उनका घर हुआ करता था। वह उस जगह से लौटी थीं, जहां उनके घर का नामोनिशां अब पूरी तरह से मिट चुका है। पिछले साल 30 जुलाई को केरल में आए सबसे भयानक भूस्खलन के दौरान विशाल चट्टानों के चपेट में आकर उनका घर बह गया। वह अनिच्छा से छाया में लौटीं, क्योंकि वह अकेली थीं और उन्हें डर था कि कहीं वह चिलचिलाती धूप में बेहोश हो कर गिर न पड़ें। सुहरा ने कहा, मुझे घर और खोई हुई संपत्तियों की कोई चिंता नहीं है, लेकिन मैं इस तथ्य को भूल नहीं पा रही हूं कि जो लोग हमारे करीब थे, वे सब चले गए हैं।'' इतना कहते-कहते आंसू उनकी आंखों से छलक गए।

सुहरा इसलिए बच गईं क्योंकि वह अपने पति के इलाज के लिए अस्पताल में थीं। एक रात पहले अस्पताल में उनसे मिलने आए सभी पड़ोसी मारे गए। आपदा के आठ महीने बाद मुंडक्कई और चूरलमाला एक भूतिया शहर की तरह दिख रहे हैं, जहां चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ है। कभी पर्यटकों की चहल-पहल का केंद्र रही वायनाड के मेप्पाडी की यह खूबसूरत घाटी अब निवासियों या आने वाले पर्यटकों से रहित है। यहां तक कि प्रकृति भी ठहरी हुई प्रतीत होती है, क्योंकि कीचड़ और पत्थरों से ढका यह क्षेत्र अब भूरे रंग का दिख रहा है और मलबे से कोई नया पौधा नहीं उग रहा। रात होते ही जंगली जानवरों का इस क्षेत्र पर राज होता है और हाथी अक्सर मलबे के बीच घूमते नजर आते हैं। आपदा स्थल पर अक्सर जाने वाले फैजल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं, बस उस स्थान को देखने जा रहा हूं जहां मेरे चाचा और चाची रहते थे। हमने सभी को खो दिया है – मित्र, परिवार। यह सन्नाटा असहनीय है।'' फैजल ने गहरे दुख के साथ कहा, उनमें से कई अब भी यहीं कहीं गहराई में दफन हैं। यह जगह हमारे रिश्तेदारों के लिए कब्र की तरह है और आगंतुक इसका सम्मान नहीं कर सकते।'' उन्हें पता है कि अगर इस जगह को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया तो यहां पर्यटकों की बाढ़ आ जाएगी। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को एक ज्ञापन दिया था, जिसमें उनसे पर्यटकों के लिए इस जगह को न खोलने का अनुरोध किया गया था। मेप्पाडी पंचायत के तीन वार्डों-- पुंचीरीमट्टम, मुंडक्कई और चूरलमाला में कोई भी निवासी नहीं बचा है। यहां तक कि प्रकृति के प्रकोप से बाल-बाल बचने के बाद जो भी घर सुरक्षित बचे थे, वे भी अब बंद हैं। मुंडक्कई में एक खेतिहर श्रमिक ने कहा, मैं यहां एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खेत पर काम कर रहा हूं। हर सुबह, मैं उस सड़क से जाता था जो भूस्खलन के कारण विलुप्त हो गई है। मैं यहां सभी को जानता था..., और अब कोई नहीं है। अब, जब मैं खेत के दूसरी सड़क से जाता हूं, तो यादें लगातार मेरे दिमाग में कौंधती रहती हैं – यह बहुत मुश्किल है।

यह वह सन्नाटा है जिससे लोग डरते हैं। घरों की कतारें हैं पर कोई इंसान नहीं रहता है। एक ऐसी जगह वीरान पड़ी है जो कभी हरी-भरी थी। विशाल चट्टानों ने सालों की एकजुटता और अस्तित्व को नष्ट कर दिया। अब पुंचीरीमट्टम में केवल एक, तीन सदस्यीय आदिवासी परिवार बचा है। चूरलमाला कस्बे के एक दुकानदार ने कहा, आपदा से पहले आपको इस कस्बे में मोटरसाइकिल खड़ी करने के लिए भी जगह नहीं मिलती थी। यह बहुत चहल-पहल वाला शहर था, और मैं इस तीन मंजिला इमारत से मिलने वाले किराए से अपना गुजारा कर रहा था। अब वह अपने भवन के एक हिस्से में कच्चे नारियल और अचार वाली सब्जियां बेच रहे हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण करने की कोशिश कर रहे हैं। क्षेत्र के दुकान मालिकों का कहना है कि उन्होंने राजस्व मंत्री और मुख्यमंत्री दोनों को कई ज्ञापन सौंपे हैं, लेकिन उन्हें आज तक कोई जवाब नहीं मिला है। सरकार ने क्षेत्र में पर्यटन की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है, और केवल पास धारकों को ही मुंडक्कई और पुंचिरिमट्टम तक पहुंचने के लिए बेली ब्रिज पार करने की अनुमति है।

केरल में साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड/भाषा। केरल के उत्तरी जिले कोझिकोड के थामारस्सेरी में एक व्यक्ति को 'व्हाट्सएप ग्रुप' के माध्यम से सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाले संदेश भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान पुथुप्पडी निवासी अजयन के रूप में हुई है। कोझिकोड ग्रामीण पुलिस के अनुसार, उसे रविवार को हिरासत में लिया गया था।

पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ सोशल मीडिया के जरिए सांप्रदायिक विद्वेष भड़काने की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई।

पुलिस ने बताया कि स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुप में वॉइस मैसेज' प्रसारित होने के बाद पुलिस ने तत्काल कदम उठाया।

अजयन को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

दिल्ली में नए कर्नाटक भवन का उद्‌घाटन करेंगे सिद्दरामय्या

समारोह में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और राज्य सरकार में मंत्री एचसी महादेवप्पा और सतीश जारकीहोली भी मौजूद रहेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या बुधवार को दिल्ली के चाणक्यपुरी डिप्लोमैटिक 'एन्क्लेव' इलाके में नये कर्नाटक भवन 'कावेरी' का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस परियोजना को 2019 में मंजूरी दी गई थी लेकिन राज्य में सरकारें बदलने के कारण इसकी लागत लगभग 140 करोड़ रुपये तक बढ़ गई। नई दिल्ली नगर परिषद ने 50 वर्ष पुराने कर्नाटक भवन को असुरक्षित घोषित कर दिया था, जिसके बाद इस नये भवन के निर्माण को मंजूरी दी गयी थी।

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि उद्घाटन समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रल्हाद जोशी, एचडी कुमारस्वामी, शोभा करंदलाजे और वी सोमन्ना शामिल होंगे। समारोह में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और राज्य सरकार में मंत्री एचसी महादेवप्पा और सतीश जारकीहोली भी मौजूद रहेंगे। 'कावेरी' भवन में राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और अन्य वीवीआईपी के लिए विशेष कमरे हैं।

कल से रात-रात भर धरना, 5 को जिला, तालुका और मंडल स्तर पर विरोध प्रदर्शन

सात अप्रैल से कर्नाटक में जनाक्रोश यात्रा : येडीयुरप्पा

बेंगलूरु। भाजपा राज्य में गरीबों पर अत्याचार करने वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ संघर्ष और विरोध करेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेन्द्र ने कहा कि हमने राज्य सरकार से अपना निर्णय वापस लेने के लिए संघर्ष करने का निर्णय लिया है।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में सोमवार को आयोजित एक आपातकालीन प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा, हम 2 अप्रैल को सुबह 11 बजे से बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में मूल्य वृद्धि को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ दिन-रात का धरना शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि इस रात्रिकालीन धरना में भाजपा के सभी विधायक, विधान परिषद सदस्य, पूर्व विधायक, पूर्व विधान परिषद सदस्य, विधानसभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशी, सभी प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि वे उसी दिन केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे और 18 भाजपा विधायकों के निलंबन पर आपत्ति जताएंगे। उन्होंने कहा कि वे 2 अप्रैल को इस धरने को समाप्त करने पर निर्णय लेंगे। 5 अप्रैल को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों, तालुकों और मंडलों में कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे।

प्रदेश भर में जनजागरूकता लाने के लिए 'जनाक्रोश यात्रा' : जन जागरूकता अभियान 7 अप्रैल को दोपहर 3 बजे मैसूर से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी संघर्ष की शुरुआत करेंगे। मैंने इस बारे में केंद्रीय मंत्री सोमन्ना और शोभा करंदलाजे से चर्चा की है।

राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल बनाने को प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार पारदर्शिता, सुशासन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश स्थल बनाने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। इसके साथ ही शर्मा ने आह्वान किया कि उद्योगपति अपने निवेश, युवा अपनी प्रतिभा तथा किसान अपनी मेहनत से ऐसे राजस्थान का निर्माण करें, जो न केवल भारत का गौरव बने, बल्कि दुनिया भर में अपनी पहचान स्थापित करे। वह सोमवार को यहां 'निवेश उत्सव' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार हमने राजस्थान दिवस पर सात दिवसीय महोत्सव का आयोजन कर महिला, किसान, युवाओं के उत्थान और गरीब कल्याण की कई सौगातें दी हैं। इसी कड़ी में आज हम यहां निवेश उत्सव मना रहे हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित होगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का निवेश उत्सव महत्वपूर्ण 'माइलस्टोन इम्पैक्ट 1.0' पर केंद्रित है, जो राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत किए गए समझौतों (एमओयू) को धरातल पर उतारने के हमारे प्रयासों को दर्शाता है। राज्य सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए त्रिस्तरीय समीक्षा व्यवस्था की है। इन्हीं प्रयासों का ही परिणाम है कि राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू में से तीन लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं के शिलान्यास का काम हो रहा है।शर्मा ने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत-2047 का जो दृष्टिकोण रखा है, वह केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी आत्मनिर्भरता, समृद्धि और वैश्विक नेतृत्व के प्रति दृढ़ संकल्प है। इसी को आधार बनाकर हम राजस्थान में 'विकसित राजस्थान 2047' का सपना देख रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम 2030 तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 अरब डॉलर तक ले जाएं।

उन्होंने कहा कि यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार, किसानों के लिए समृद्धि और हमारे उद्यमियों के लिए अवसरों का एक नया युग साबित होगा। हम हर लक्ष्य को हासिल करेगें क्योंकि हम जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उद्योगों की मांग को देखते हुए डेढ़ लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा है। हम पांच वर्ष में सरकारी क्षेत्र में चार लाख और निजी क्षेत्र में छह लाख रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन के गुवाहाटी, भुवनेश्वर, रांची, पुणे, दिल्ली, दुबई, म्यूनिख, रियाद, तोक्यो, सिंगापुर, मेलबर्न, नैरोबी, कम्पाला और दोहा में 14 नए 'चैप्टर' खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए सरकार इस साल 11 और 12 दिसंबर को दो दिवसीय 'राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव' का आयोजन भी करेगी। उन्होंने ने निवेश प्रस्तावों की प्रगति ऑनलाइन देखने के लिए मोबाइल ऐप शुरू किया। साथ ही राजस्थान लॉजिस्टिक नीति-2025, राजस्थान डेटा सेंटर नीति-2025 और राजस्थान वस्त्र एवं परिधान नीति-2025 का भी विमोचन किया। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं तथा हम राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर निर्णय ले रहे हैं जिससे वर्ष 2047 तक के विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सके।

कई हिस्सों में बादल छाए रहने व हल्की बारिश का अनुमान

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के अनेक भागों में अगले कुछ दनि बादल छाए रहने व हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता के अनुसार राज्य के दक्षिण-पूर्वी भागों में 31 मार्च से तीन अप्रैल तक बादल छाए रहने का अनुमान है। उदयपुर-कोटा संभाग में दो अप्रैल तथा जयपुर, अजमेर एवं कोटा संभाग में तीन अप्रैल को कहीं-कहीं गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि आगामी चार से पांच दिन में न्यूनतम एवं अधिकतम तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसी तरह तीन से चार अप्रैल को दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में अधिकतम तापमान 41 डिग्री से 42 डिग्री सेल्सियस रह सकता है जो सामान्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। सोमवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 37.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सीकर में 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास पूजा के समय आग लगने से झुलसीं

उदयपुर/दक्षिण भारत । पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ गिरिजा व्यास सोमवार सुबह पूजा के दौरान साडी में आग लगने

से गंभीर झुलस गई। उन्हें इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया गया है। डॉ गिरिजा व्यास के भाई पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा गोपजी ने बताया कि गिरिजा जी सुबह करीब साढे दस बजे नवरात्रि की पूजा कर रही थी तब अचानक दीपक की लौ से उनकी साडी में आग में आग लग गई। सिल्क की साडी होने से अचानक आग भभक कर उपरी हिस्से तक पहुंच गई जिससे वे गंभीर झुलस गई। उन्हें तत्काल जीबीएच अमेरिकन अस्पताल पहुंचाया तथा प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें दोपहर करीब ढाई बजे परिजन अहमदाबाद ले गए हैं। गोपजी के अनुसार गिरिजा जी की हालत ठीक है और वे सभी से बात भी कर रही है।

वन मंत्री ने करणी माता मंदिर में पूजा अर्चना की

जयपुर/दक्षिण भारत। वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने रविवार

को चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर करणी माता मंदिर में पहुंच कर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में आने वाले श्रद्धांलुओं को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होवें। सभी व्यवस्थाएं सुगम व सुचारु रखें। उन्होंने प्रदेशवासियों को नव संवत्सर एवं चैत्र नवरात्रा स्थापना (30 मार्च) पर शुभकामनाएं देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि के लिए कामना करते हुए कहा कि चैत्र नवरात्रा मातृ शक्ति की आराधना का पर्व है। देवी दुर्गा के नौ रूप मातृ शक्ति की विविधता और महत्ता को दर्शाते हैं। यह पर्व हमें आत्मशुद्धि तथा संयमित जीवन जीने की राह दिखाता है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने खैरथल-तिजारा में महिला पुलिसकर्मी से करवाया महिला पुलिस थाने का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम लगाने और उन्हें त्वरित सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से रविवार को खैरथल में पहले महिला थाने का उद्घाटन किया। यह थाना पेहल रोड पर स्थित सैनी धर्मशाला में स्थापित किया गया है। महिला शक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्रीय वन मंत्री ने महिला पुलिसकर्मी छोटी मीना के हाथों से फीता कटवाकर महिला थाने का उद्घाटन करवाया। इसके पश्चात उन्होंने पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खैरथल में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, सहायक उपकरणों के वितरण कार्यक्रम में भाग लिया।

यादव ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। महिला थाना उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करेगा और उन्हें भयमुक्त वातावरण प्रदान करेगा। उन्होंने पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार को निर्देश दिए कि महिला थाने की सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जाएं। उन्होंने केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि महिला थाना में शिकायतों का निपटारा केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए काउंसलिंग की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि परिवार टूटने से बच सकें।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन को सरल और आत्मनिर्भर बनाना है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को साकार करने हेतु सरकार दिव्यांगजन भाइयों और बहनों को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि जिले में 40% या अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजन और 20,000 रुपये मासिक आय से कम आय वाले सभी दिव्यांगजन योजनाओं हेतु पात्र है।

इस दौरान उन्होंने जिला कलेक्टर को निर्देशित किया कि उनके 12-13 तारीख से शुरू होने वाले पंचायती दौरों के दौरान अधिकारियों को दिव्यांगों के पंजीकरण के लिए नियुक्त करें ताकि गांव में उपस्थित दिव्यांगजनों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से जोड़ा जा सके। इसी कड़ी में कार्यक्रम के दौरान जिले के 116 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, चार्जर और हेलमेट एवं 68 स्मॉल और बड़े बैसाखी का वितरण किया गया।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके अलावा, केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ निचले स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए समाज के सर्वांगीण विकास में सहयोग करने का संकल्प दिलाया।

भजनलाल, देवनानी, दीया कुमारी, गहलोत सहित कई नेताओं ने गणगौर पर्व की दी शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेमचंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं वसुंधरा राजे सहित कई नेताओं ने लोकपर्व गणगौर की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर शर्मा ने राजस्थान की सांस्कृतिक समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य के प्रतीक गणगौर के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माता पार्वती और भगवान शिव की असीम कृपा से यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं आनंद का संचार करे।

देवनानी ने राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति को दर्शाने वाले गणगौर के पावन पर्व पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में अपार खुशियां, समृद्धि एवं सुस्वास्थ्य लेकर आएं।

दीया कुमारी ने पारिवारिक सौहार्द, प्रेम एवं आस्था के महापर्व गणगौर की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, उल्लास एवं खुशहाली लेकर आये और आपकी हर मनोकामना पूर्ण हो। इसी तरह डा बैरवा ने भी इस पर्व की शुभकामनाएं दी। गहलोत ने लोकपर्व गणगौर के सुअवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कामना करता हूं कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में असीम आनंद और सम्पन्नता लेकर आए।

श्रीमती राजे ने कहा कि आस्था, स्नेह और विश्वास का प्रतीक गणगौर महोत्सव प्रदेशवासियों के जीवन में आनंद और खुशहाली लेकर आए। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली तथा अन्य कई नेताओं ने गणगौर पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

प्रसव के बाद दो महिलाओं की मौत, जांच के आदेश

कोटा/दक्षिण भारत। राजस्थान के झालावाड़ जिले के एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के कुछ घंटों के भीतर दो महिलाओं की मौत हो गई, जिसके बाद उनके परिजनों और रिश्तेदारों ने परिसर में तोड़फोड़ की और रविवार को लघु सचिवालय के सामने सड़क जाम कर दी। झालावाड़ के जिलाधिकारी ने लापरवाही के आरोपों सहित मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया, जबकि एक चिकित्सक और पांच अन्य चिकित्सा कर्मचारियों को जांच लंबित रहने तक ड्यूटी से हटा दिया गया। मध्यप्रदेश के गरोठ निवासी रेशमा की शनिवार अपराह्न करीब डेढ़ बजे बच्ची को जन्म देने के बाद तबीयत बिगड़ गई और तीन बजे उसकी मौत हो गई। उसके रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि जब उसकी हालत बिगड़ी तो चिकित्सकों ने उसका इलाज नहीं किया।

कोटा के रामगंजमंडी क्षेत्र निवासी 20 वर्षीय कविता मेघवाल की भी लगभग उसी समय उसी अस्पताल में अपराह्न करीब एक बजकर 40 मिनट पर एक लड़के को जन्म देने के बाद मौत हो गई। कविता के परिजनों ने दावा किया कि वार्ड में एक मरीज की मौत देखकर सदमे में आने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि रेशमा की मौत अत्यधिक रक्तस्राव से हुई, जबकि कविता को दिल का दौरा पड़ा। हालांकि, झालावाड़ के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी साजिद खान के अनुसार, उनकी मौत के वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट होंगे। दोनों महिलाओं के गुस्साए परिजनों ने कथित तौर पर अस्पताल में तोड़फोड़ की और हंगामा किया। आरोप है कि शनिवार दोपहर को उन्होंने प्रसव कक्ष के शीशे तोड़ दिए और चिकित्सा कर्मचारियों के साथ मारपीट की। पुलिस और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और उन्हें शांत करने की कोशिश की। हालांकि, परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर रविवार को झालावाड़ में लघु सचिवालय के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग-52 को जाम कर दिया।

भवानीमंडी थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रेशमा के पति की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 (अप्राकृतिक मौत की जांच के लिए) के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि दूसरी महिला की मौत के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है।

भजनलाल ने सुनी जनता की समस्याएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को यहां जनसुनवाई की और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई के दौरान अपनी समस्या लेकर आये प्रत्येक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की तथा संवेनदशीलता के साथ उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याएं सुनी तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादी को राहत दी।

बैरवा ने भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का किया अनावरण

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं भीलवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को भीलवाड़ा जिले के एकदिवसीय दौरे पर रहे। उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने रविवार को वस्त्र नगरी पहुंच सर्वप्रथम क्यारा के बालाजी रोड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के स्मारक पर मूर्ति अनावरण कर डॉ. अंबेडकर के भारतीय संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान को नमन किया।

ग्लोबल इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बनने की ओर राजस्थान : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सोमवार, को राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव निवेश उत्सव: राइजिंग राजस्थान इंपेक्ट 1.0 में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार राजस्थान के आर्थिक और औद्योगिक विकास को एक नई ऊंचाई तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी बड़ी योजना को धरातल पर लाने के लिए अनेक विभागों का समन्वय आवश्यक है।

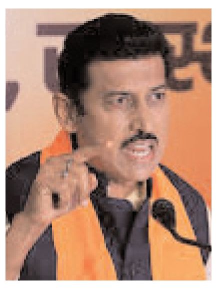

उन्होंने आगे कहा कि नीतियों को बदलना आसान होता है, लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना और व्यावहारिक रूप देना चुनौतीपूर्ण कार्य है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने पहले ही वर्ष में 3 लाख करोड़ रुपये के एमओयू को धरातल पर उतारकर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, विनिर्माण, एमएसएमई सहित कई क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं और सरकार इसे वैश्विक निवेश केंद्र बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। राजस्थान सरकार ने सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया है, जिससे निवेशकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हर दो महीने में एमओयू की प्रगति की समीक्षा करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रत्येक निवेश परियोजना धरातल पर तेजी से उतरे। मंत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में सरकारी और निजी क्षेत्रों में मिलाकर 4 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन की योजना पर काम किया जा रहा है। मजबूत सरकार ही हर समस्या का समाधान निकालती है और राजस्थान को 30 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

ईद के मौके पर जुलूस निकालने को लेकर टोंक में तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। राजस्थान में टोंक में सोमवार को ईद उल फितर की नमाज के बाद जुलूस निकालने को

लेकर स्थिति तनावपूर्ण हो गयी जिसे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नियंत्रित कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ईद के मौके पर टोंक जिले के मालपुरा में नमाज अदा करने के बाद बड़ी संख्या में नमाजी एक साथ बाहर निकले और उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। वे मुख्य बाजार से जुलूस निकालना चाहते थे। उन्होंने जुलूस बाजार से निकालने के लिये प्रदर्शन किया। पुलिस ने उनसे पहले से निर्धारित मार्ग से ही जुलूस निकालने को कहा। इससे स्थिति तनावपूर्ण हो गयी। इस दौरान जयपुर-मालपुरा-दूदू राजकीय राजमार्ग कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो गया।

तनाव होने पर प्रशासन ने तत्काल भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। बाद में पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर माहौल शांत कराया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकाला जाएगा। पुलिस की सख्ती के बाद निर्धारित मार्ग से ही जुलूस निकाला गया। इसके बाद राजमार्ग खुल गया।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर त्योहारों में बाधा डालने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर लोगों को त्योहार खुलकर मनाने से रोकने के लिए बाधाएं खड़ी करने का आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा देश को संविधान के अनुरूप नहीं चला रही है। ईद के मौके पर यहां ऐशबाग ईदगाह पहुंचे सपा प्रमुख ने बातचीत में पुलिस पर ऐशबाग ईदगाह के अंदर जाने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''ईद के मौके पर इतनी बैरिकेडिंग क्यों की गयी? पुलिस ने मुझे रोका और जब मैंने उनसे पूछा कि वे मुझे क्यों रोक रहे हैं तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। इसे तानाशाही कहना चाहिए या 'आपातकाल'? मैंने कभी ऐसी बैरिकेडिंग नहीं देखी, जो लोगों को उनके त्योहार मनाने से रोकने के लिए की गयी हो।'' यादव ने सवाल पूछते हुए कहा कि यह क्या दूसरे धर्म के त्योहार में शामिल होने से रोकने का दबाव बनाने की कोशिश नहीं है? उन्होंने कहा, ''ईद मनाई जा रही है और नवरात्र के कार्यक्रम शुरू हो रहे हैं। इस भारत की यही खूबसूरती है कि हम सब मिलकर एक साथ त्योहार मनाते हैं।'' ईद की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि ''आज पूरे प्रदेश और देश को मुबारकबाद देना चाहता हूं।'' सपा प्रमुख ने कहा कि ईद पर सिवइयां भी खाने को मिलती हैं, और यह जो मिठास है यह पूरे साल याद रहती है। उन्होंने कहा, ''हमारा देश बहुत बड़ा देश है, यहां पर सदियों से हम मिलकर रहते आए हैं। यहां इतनी जाति, धर्म के लोग मिलकर रहते हैं, त्योहार मनाते हैं, एक दूसरे की खुशियां बांटते हैं, वहीं दुख, तकलीफ में शामिल होते हैं।'' यादव ने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कहा कि ''भाजपा ना संविधान पर, ना लोकतंत्र पर, ना देश के कानून पर भरोसा करती है।''

ईद पर मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई, अमन-चैन की दुआ मांगी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में सोमवार को ईद-उल-फित्र का पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की इमामत में ईद-उल-फित्र की नमाज पढ़ी और अमन-चैन की दुआ की।

अधिकारियों ने बताया कि राजधानी लखनऊ के अलावा संभल, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, कौशांबी, रामपुर, अमेठी, हरदोई, अलीगढ़, झांसी, गोंडा समेत विभिन्न जिलों की मस्जिदों और ईदगाहों में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान, नमाजियों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी और अमन-चैन की दुआ की। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह पहुंचकर लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री दानिश आजाद, राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा, कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय भी नमाजियों को ईद की मुबारकबाद देने के लिए ऐशबाग ईदगाह पहुंचे।

संभल की शाही ईदगाह में भी हजारों लोगों ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद-उल-फित्र की नमाज अदा की। इस मौके पर संभल के सांसद जिया उर रहमान वर्क, जिला अधिकारी राजेंद्र पेसीया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई सहित कई अधिकारी वहां मौजूद

थे। पेसीया ने पत्रकारों से कहा कि संभल की शाही ईदगाह में लगभग 50 हजार लोगों ने ईद की नमाज अदा की। अधिकारियों ने बताया कि नमाज के लिए शाही ईदगाह पहुंचे नमाजियों पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फूलों की बारिश की और उन्हें एकता व भाईचारे का संदेश भी दिया। वाराणसी में ज्ञानवापी और नदेसर मस्जिद सहित सभी मस्जिदों में ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। इस दौरान, प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

काशी जोन के पुलिस उपायुक्त गौरव बंसवाल ने कहा, ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस मौके पर शहर और देहात की सभी मस्जिदों के बाहर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सभी संवेदनशील इलाकों में ड्रोन से नजर रखी गई।

गोंडा की मस्जिदों और ईदगाहों में भी ईद की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान, मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मुल्क में अमन-चैन की दुआ मांगी। गोंडा के एसपी विनीत जायसवाल ने कहा कि जिला मुख्यालय स्थित ईदगाह में हजारों लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से ईद की नमाज अदा की और वह खुद भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद थे।

ईद पर ममता ने एकजुटता का आह्वान किया, भाजपा की राजनीति को विभाजनकारी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में 'विभाजन की राजनीति के जरिए सांप्रदायिक दंगे' भड़काने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा का 'गंदा धर्म' हिंदुत्व के सच्चे सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे ऐसे उकसावे में न आएं जिससे सांप्रदायिक दंगे भड़क सकते हैं। बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार राज्य के लोगों के साथ खड़ी रहेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य में कोई भी तनाव पैदा न कर सके।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यहां 'रेड रोड' पर ईद की नमाज के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं श्री रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद के अपनाए धर्म का अनुसरण करती हूं। मैं उनके (भाजपा के) बनाए 'गंदा धर्म' का पालन नहीं

करती जो हिंदू धर्म के भी खिलाफ है।'' तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कोई धर्म किसी दूसरे मनुष्य के खिलाफ कटुता का उपदेश नहीं देता, लेकिन कुछ नेता और राजनीतिक दल अपने ही फायदों के लिए नफरत फैलाते हैं। उन्होंने कहा, ''दंगे भड़काने के लिए उकसाने की कोशिश की जा रही है, कृपया इस प्रकार के जाल में न फंसें। पश्चिम बंगाल सरकार अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी है। राज्य में कोई भी तनाव पैदा नहीं कर सकता।'' बनर्जी ने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा, ''अगर उन्हें (भाजपा को) अल्पसंख्यकों से समस्या है तो क्या वे देश का संविधान बदल देंगे?'' उन्होंने कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वहीं उन्होंने भाजपा की राजनीति को 'विभाजनकारी' बताते हुए उसे ''जुमला राजनीति'' कहा। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सभी हिंदू लोग मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि कुछ राजनेता ऐसे हैं जो धर्म के नाम पर 'सौदागरी' करते हैं। मुख्यमंत्री ने वामपंथियों पर निशाना साधते हुए कहा, ''लाल और भगवा एक हो गए हैं। लेकिन निश्चिंत रहें, मैं आपको कोई नुकसान होने नहीं दूंगी।'' उन्होंने दावा किया कि प. बंगाल में विपक्षी दल 'राम और वाम' (भाजपा और वामपंथी दल) दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

मेरठ में ईद की नमाज के बाद एक ही समुदाय के दो गुटों में हिंसक झड़प, कई घायल, तीन गिरफ्तार

मेरठ (उप्र)/भाषा। मेरठ के जानी थाना इलाके में ईद की नमाज के बाद मामूली विवाद को लेकर एक ही समुदाय के दो गुटों में हिंसक झड़प हो गयी जिसमें करीब छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी, लेकिन घायलों की संख्या नहीं बताई। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना जानी क्षेत्र के सिवालखास के रहने वाले नाजिम और जाहिद के बीच में एक मामूली बात को लेकर रविवार शाम को कहा-सुनी हो गयी थी। इसको लेकर सोमवार को नमाज के बाद दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से भिड़ गए। मिश्रा ने कहा कि इस घटना में दोनों पक्षों की तरफ से एक-दूसरे पर पथराव किया गया और इस हिंसक संघर्ष में कई लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना में गोलीबारी की भी सूचना है जिसकी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस घटना के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी। उन्होंने बताया की स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है और पुलिस मौके पर मौजूद है।

नीतीश कुमार के वक्फ विधेयक के खिलाफ रुख अपनाने की 'अब भी उम्मीद': तारिक अनवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने सोमवार को कहा कि उन्हें 'अब भी उम्मीद' है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संसद में विवादास्पद वक्फ विधेयक के पेश किए जाने पर उसके खिलाफ रुख अपनाएंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईद के अवसर पर ऐतिहासिक गांधी मैदान में स्थानीय निवासियों के साथ 'नमाज' अदा करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे।

उन्हें इस तथ्य से अवगत कराया गया कि अरशद मदनी जैसे इस्लामी नेताओं द्वारा जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष की ओर से आयोजित इफ्तार के 'बहिष्कार' की घोषणा से अप्रभावित नीतीश कुमार भी ईद की बधाई देने के लिए गांधी मैदान में उपस्थित हैं। अनवर ने इस पर कहा, ''यह अच्छा है कि नीतीश कुमार ने उस परंपरा को

जारी रखा है जिसका वे लंबे समय से पालन करते आ रहे हैं। लेकिन, हम चाहते हैं कि कुमार प्रदर्शित करें कि वह कोई दिखावा नहीं कर रहे हैं। उन्हें मुसलमानों से संबंधित मामलों पर कार्रवाई करनी चाहिए, न कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के रास्ते पर चलना चाहिए।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''हमारा मानना है कि कुमार और (चंद्रबाबू) नायडू वक्फ विधेयक का समर्थन नहीं करेंगे। हमें अब भी उम्मीद है कि अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को बनाए रखने वाले कुमार, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा संसद में विधेयक लाए जाने पर स्पष्ट रुख अपनाएंगे।''

सहारनपुर: कुछ युवकों ने ईद की नमाज के बाद फलस्तीनी झंडा लहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। सहारनपुर के अंबाला रोड पर स्थित ईदगाह में सोमवार की सुबह ईद की नमाज अदा करने के बाद कुछ युवकों ने फलस्तीनी झंडा लहराया और नारेबाजी की। इस घटना का एक वीडियो वायरल हुआ है।

पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो हमारे संज्ञान में आया है जिसमें कुछ युवक एक अन्य देश का झंडा लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। ईद की नमाज के बाद ईदगाह पर कुछ युवक हाथों में दूसरे देश के झंडे लेकर नारेबाजी करने लगे।

अधिकारियों ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच करके उन युवकों की पहचान की जा रही है। जांच के बाद जिला प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई की जाएगी।

गुवाहाटी के लोगों ने महफूजखाना ढहाने की आलोचना की, मुख्यमंत्री ने इसे गुलामी की निशानी बताया

गुवाहाटी/भाषा। गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र के तट पर स्थित महफूजखाने को ढहाए जाने को लेकर शहर के लोगों ने कड़ा विरोध जताया है और कुछ लोगों ने ऐतिहासिक ढांचे को ''संरक्षित न करने'' के लिए सरकार की आलोचना की। यह महफूजखाना असम के सबसे पुराने ढांचों में से एक है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को सरकार की कार्रवाई का बचाव किया और कहा कि यह गुलामी की निशानी था, कोई ''पुरातात्विक स्थल नहीं''।

गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में कथित तौर पर इस ढांचे को ढहा दिया गया। महफूजखाने का उल्लेख 2014 में जीएमडीए द्वारा प्रकाशित एक कॉफी टेबल बुक 'फॉरएवर गुवाहाटी' में मिलता है, जिसमें कहा गया है कि निर्माण के वर्ष का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है पर माना जाता है कि यह 1855 के बाद बना था। इसमें कहा गया, ''बीस इंच मोटी दीवार वाले इस तरह के ढांचे शहर में सिर्फ दो हैं जिनका 1897 का भूकंप भी कुछ नहीं बिगाड़ पाया। इस 86 गुणा 77 फुट के महफूजखाने का इस्तेमाल नक्शे, प्रशासनिक आदेश और सभी प्रकार के भूमि रिकॉर्ड रखने के लिए किया जाता था।'' जीएमडीए के सूत्रों के अनुसार महफूजखाना को एक साल पहले ढहाया था और उसी परिसर में स्थित अन्य ढांचे को कुछ दिन पहले गिरा दिया। मामले को शहरवासियों द्वारा सोशल मीडिया पर उठाया गया जिसमें ढांचे को ध्वस्त करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया और कहा कि इसे रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में विकसित किया जा सकता था।

मणिपुर संघर्ष अवैध आव्रजन और मादक पदार्थों के खतरे का परिणाम : बीरेन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में जारी संघर्ष मादक पदार्थों, अवैध आव्रजन और वनों के विनाश सहित कई चुनौतियों का परिणाम है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सिंह ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा पर भी निशाना साधते हुए उनसे पूछा कि क्या उन्हें राज्य में अवैध गांवों की संख्या में खतरनाक वृद्धि के बारे में पता है।

मई 2023 से मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं तथा हजारों लोग बेघर हो गए हैं। संघर्षग्रस्त मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर राज्य भाजपा के भीतर मची सुगबुगाहट के बीच एन बीरेन सिंह ने नौ फरवरी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के कुछ घंटों के बाद ही इस्तीफा दे दिया था। एन बीरेन सिंह के पद से

इस्तीफा देने के बाद केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। सिंह ने कहा, वर्तमान संकट मूलतः राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह विभिन्न चुनौतियों के जटिल मिश्रण से उत्पन्न हुआ है, जिसमें मादक पदार्थों का खतरा, अवैध आव्रजन, वनों का विनाश और चुनिंदा समूहों द्वारा सत्ता की व्यवस्थित चाहत शामिल है।

उन्होंने दावा किया कि स्वर्गीय पी ए संगमा ने एक बार पूर्वोत्तर को जातीय आधार पर छोटे राज्यों में विभाजित करने की वकालत की थी, जो एक खतरनाक विचार था और जिससे हमारे राष्ट्र की एकता को खतरा था। उन्होंने कहा, आज हम मणिपुर को अस्थिर करने के लिए राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के ऐसे ही प्रयास देख रहे हैं।

ममता की ब्रिटेन यात्रा का नतीजा विवाद और नाटक : अधीर चौधरी

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ब्रिटेन यात्रा से विवाद और नाटक के अलावा कुछ नहीं प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि बनर्जी की यात्रा के नतीजे पर बयान जारी करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। पिछले सप्ताह ऑक्सफोर्ड के केलॉग कॉलेज में ममता बनर्जी के भाषण के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा मचाए गए हंगामे पर चौधरी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री का अनादर करने वाले लोगों के खिलाफ हैं, खासकर तब जब वह आधिकारिक दौरे पर हों। चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा, लंदन में ज्यादा कुछ नहीं हुआ है। हम जानना चाहते हैं कि लंदन (मुख्यमंत्री के साथ) कौन गया था। इस यात्रा पर क्या खर्च हुआ । वहां उन्होंने किन लोगों से मुलाकात की, और क्या प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं तथा क्या राज्य को उससे लाभ होगा या नहीं।'' प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके चौधरी ने कहा कि वह (बनर्जी) करदाताओं के पैसे से वहां गयी थीं और इसलिए उनकी सरकार की यह जिम्मेदारी है कि उनके लौटने के बाद यात्रा के परिणाम के बारे में प्रेस बयान जारी किया जाए।

बिहार के दरभंगा में दो समुदायों के बीच झड़प, छह लोग गिरफ्तार

दरभंगा/भाषा। बिहार के दरभंगा जिले में दो समुदायों के सदस्यों ने कथित तौर पर एक-दूसरे पर पथराव किया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना कुशेश्वरस्थान पुलिस थाना क्षेत्र के केवटगामा पचियारी गांव में हुई। घटना उस समय हुई जब रविवार शाम को एक प्रार्थना सभा के बाद लोगों का एक समूह लौट रहा था। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण-दरभंगा) आलोक ने बताया कि स्थिति पर तत्काल काबू पा लिया और घटना में किसी के चोटिल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अब तक घटना के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है और 45 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह घटना उस समय हुई जब एक समुदाय के लोगों ने कलश शोभा यात्रा से लौट रहे दूसरे समुदाय के लोगों पर छतों से पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि मामूली झड़प भी हुई। एक अफवाह फैली कि एक मुर्गी को लाठी से पीटा गया है जिसके कारण कथित तौर पर यह घटना हुई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। घटना में किसी के चोटिल होने की सूचना नहीं है।''

ओडिशा में कटक-निर्गुंडी रेल खंड पर ट्रेन सेवाएं बहाल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कटक जिले में एसएमवीटी बेंगलूरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने के बाद बाधित हुईं कटक-निर्गुंडी रेल खंड की दोनों पटरियों पर सेवा बहाल कर दी गई है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पूर्व तटीय रेलवे ने बताया कि रविवार को कटक-भद्रक रेलवे खंड पर केंद्रपाड़ा रोड और निर्गुंडी स्टेशन के बीच ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण रेल सेवाएं अस्थायी रूप से बाधित हो गईं थीं।

उसने बताया कि सेवाएं बहाल होने के बाद पहली यात्री ट्रेन भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या-22823) सुबह 10 बजकर 25 मिनट पर इस मार्ग से गुजरी।

उसने बताया कि पूर्व तटीय रेलवे के कर्मियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में रातभर अथक परिश्रम किया और प्रभावित पटरियों को सोमवार सुबह सवा सात बजे तक बहाल कर दिया जाएगा, पटरी को साफ किया गया और ट्रेन की आवाजाही के लिए तैयार किया गया तथा 'ओवरहेड इक्विपमेंट' (ओएचई) को सुबह सात बजकर 40 मिनट तक पूरी तरह से बहाल कर दिया गया। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि रेल सेवाएं बहाल हो गई हैं। मरम्मत कार्य जारी रहने के कारण रेलगाड़ियां कम गति (लगभग 10 किलोमीटर प्रति घंटा) से, लेकिन सामान्य रूप से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति स्थिर होने पर गति सीमा धीरे-धीरे बढ़ाई जाएगी।

बिहार के अररिया में कांग्रेस की यात्रा में हंगामा, बीच में ही यात्रा छोड़ निकले कन्हैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया (बिहार)/भाषा। बिहार के अररिया जिले में कांग्रेस की 'पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा' में उस समय हंगामा मच गया जब कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के निजी सुरक्षा गार्डों ने कथित तौर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को धक्का दे दिया।

पार्टी कार्यकर्ता कुमार के साथ सेल्फी लेने के लिए उनके करीब जाने की कोशिश कर रहे थे, उसी दौरान कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश में निजी सुरक्षा गार्डों ने उन्हें धक्का दे दिया।

पार्टी कार्यकर्ताओं के अनुसार, रविवार को जब यात्रा एसएसबी परिसर के पास पहुंची तो पार्टी कार्यकर्ता कन्हैया कुमार के करीब आने और उनके साथ सेल्फी लेने के लिए एक-दूसरे से धक्का-मुक्की कर रहे थे। हालांकि, कन्हैया कुमार के निजी सुरक्षा गार्डों ने इसका विरोध किया और उन्होंने कथित तौर पर कुछ कार्यकर्ताओं को धक्का दे दिया। इसके कारण पार्टी कार्यकर्ताओं और निजी सुरक्षा गार्डों के बीच कथित तौर पर हाथापाई हुई। यात्रा का नेतृत्व कर रहे कुमार बीच में ही यात्रा छोड़कर चले गए। घटना का एक कथित वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। 'पीटीआई-भाषा' स्वतंत्र रूप से वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकती। घटना अररिया में एसएसबी परिसर के पास हुई।

कांग्रेस की 'पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा' 16 मार्च को पश्चिम चंपारण जिले के भितिहरवा आश्रम से शुरू हुई थी। यह वही जगह है जहां से महात्मा गांधी ने 1917 में अपना प्रसिद्ध चंपारण सत्याग्रह शुरू किया था। 'पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा' के 15वें दिन कुमार अररिया पहुंचे।

अररिया जिला कांग्रेस अध्यक्ष जाकिर अनवर ने पत्रकारों से कहा, ''कन्हैया ने यात्रा बीच में ही छोड़ दी क्योंकि उन्हें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए दिल्ली जाना था।

उप्र द्वारा अनदेखी के बाद जीशान ने आईपीएल में छोड़ी छाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जीशान अंसारी 2016 में 16 साल की उम्र में भारतीय अंडर-19 विश्व कप टीम के सबसे कम उम्र के सदस्य थे जिस टीम के कई सदस्यों ने बाद में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

ऋषभ पंत, ईशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, सरफराज खान, आवेश खान और खलील अहमद जहां अगले स्तर पर पहुंचने के लिए प्रयास कर रहे थे तो वहीं जीशान गुमनामी में खो गए। तब से उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए सिर्फ पांच रणजी ट्रॉफी मैच और एक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबला खेला है। लखनऊ के हजरतगंज का यह लेग स्पिनर उस टीम में आकर्षण का केंद्र नहीं था जिसके छह खिलाड़ियों ने बाद में विभिन्न प्रारूप में भारत की सीनियर टीम की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला।

वर्षों की गुमनामी के बाद रविवार की दोपहर अब 25 वर्षीय और बेहतर कद-काठी वाले अंसारी ने आईपीएल में पदार्पण करते हुए फाफ डु प्लेसिस, जेक

फ्रेजर-मैकगर्क और लोकेश राहुल जैसे उम्दा बल्लेबाजों को आउट किया लेकिन उनकी टीम सनराइजर्स को हार का सामना करना पड़ा। जीशान गेंद को फ्लाइट करने से नहीं डरते और इससे पूर्व अंडर-19 भारतीय चयनकर्ता और उत्तर प्रदेश के दिग्गज ज्ञानेंद्र पांडे उस समय प्रभावित हुए थे। उन्हें जूनियर राष्ट्रीय टीम के लिए चुना गया था। भारत के लिए 1999 में दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले पांडे ने कहा, ''उसे ईद से पहले ईदी मिल गई। वह काफी कड़ी मेहनत करने वाला गेंदबाज है।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस बात में नहीं पड़ना चाहता कि उन्होंने इतने वर्षों में घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए अधिक मैच क्यों नहीं खेले लेकिन वह मेरठ मैवरिक्स के लिए यूपी टी20 लीग में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और इसी कारण सनराइजर्स हैदराबाद के स्काउट्स ने उन्हें चुना।''

सुविचार

सर्वोच्च शिक्षा वह है जो हमें केवल जानकारी ही नहीं देती बल्कि हमारे जीवन को समस्त अस्तित्व के साथ सामंजस्य में लाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'नकली गिरफ्तारी', जान पर भारी

कर्नाटक में बेलगावी के नंदगढ़ गांव के एक बुजुर्ग दंपति ने साइबर ठगों की धमकियों से परेशान होकर जिस तरह खौफनाक कदम उठाया, उससे पता चलता है कि लोगों को डिजिटल सुरक्षा के संबंध में जागरूक करने की बहुत जरूरत है। इससे पहले भी साइबर ठग कई मासूम लोगों की ज़िंदगी से खिलवाड़ कर चुके हैं। सरकार लोगों को लगातार सावधान कर रही है। मीडिया भी लोगों को जागरूक करने के लिए कई बार खबरें छाप चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद 'मन की बात' कार्यक्रम में संदेश जारी कर चुके हैं। इसके बावजूद कोई व्यक्ति साइबर ठगों की धमकियों से डर जाता है, उनके द्वारा वीडियो कॉल पर नकली गिरफ्तारी ('डिजिटल अरेस्ट') को असली मान लेता है, तो इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि उसने बहुत महत्त्वपूर्ण जानकारी की ओर ध्यान नहीं दिया। जो व्यक्ति रोज़ाना विश्वसनीय स्रोतों से ख़बरें पढ़ता है, उसे जरूर मालूम होता है कि साइबर अपराधी नए-नए दांव चल रहे हैं, जिनसे सावधान रहना है। हाल में कानपुर में तो एक युवक ने कमाल ही कर दिया। उसे साइबर ठगों ने फोन कर धमकी दी कि 'तुम इन दिनों खूब आपत्तिजनक वीडियो देख रहे हो, लिहाजा मामला दर्ज हो गया है ... अगर इससे बाहर निकलना है तो तुरंत 16,000 रुपए भेजो।' उस युवक को पता था कि देशभर में फर्जी फोन कॉल के जरिए लोगों को धमकाया और लूटा जा रहा है, इसलिए वह सतर्क हो गया और बातों ही बातों में ठग से 10,000 रुपए वसूल लिए! उसके बाद साइबर ठग उससे रुपए लौटाने की मिन्नतें करने लगा। पुलिस ने उस युवक को सम्मानित किया है। इसी तरह, एक भारतीय यूट्यूबर ने अपना चैनल ही साइबर ठगों को बेनकाब करने के लिए समर्पित कर दिया। वह एक सामान्य व्यक्ति होने का दिखावा करता है, उसके बाद धीरे-धीरे साइबर ठगों का भरोसा जीतता है, उनसे वीडियो कॉल पर बात कर तस्वीरें लेता है और आखिरकार पूरा विवरण अपने चैनल पर डालकर उनका भंडाफोड़ कर देता है।

आमतौर पर साइबर ठगों के बारे में यह माना जाता है कि इनके पास लोगों की पूरी जानकारी होती है, ये बड़े होशियार होते हैं। असल में ये ठग बड़े मूर्ख और डरपोक होते हैं। अगर हम ज़रा-सी सूझबूझ से काम लें तो इनके मंसूबों को विफल कर सकते हैं। याद रखें, देश में कोई भी जांच एजेंसी वीडियो कॉल पर पूछताछ नहीं करती और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई प्रावधान है ही नहीं। जो व्यक्ति फोन पर खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर यह कहता है कि आपके खिलाफ शिकायत मिली है और आपको डिजिटल अरेस्ट करेंगे तो उससे डरने की कोई जरूरत नहीं है। जब कोई अपराध किया ही नहीं है तो क्यों डरें? जिस एजेंसी को वास्तव में पूछताछ करनी होती है, वह पहले संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करती है, जिसमें स्थान और समय का उल्लेख किया जाता है। उस व्यक्ति को कानूनी सहायता लेने का पूरा अधिकार होता है। प्राय: साइबर ठग आधा-पौन दर्जन जांच एजेंसियों के नाम गिनाकर लोगों को बुरी तरह डरा देते हैं। सोचिए, अगर कोई व्यक्ति सच में इतना बड़ा अपराधी है कि स्थानीय पुलिस से लेकर सीबीआई तक को उसकी तलाश है, उसे पकड़कर लाने के लिए अदालतें आदेश जारी कर रही हैं तो क्या उसे फोन पर सूचना दी जाएगी और 'डिजिटल अरेस्ट' कर घर में ही रहने दिया जाएगा? पिछले दिनों साइबर ठगों ने इसी तर्ज पर एक बुजुर्ग की ज़िंदगीभर की बचत उड़ा ली थी। उन्हें एक पखवाड़े तक 'डिजिटल अरेस्ट' रखा और पूरा बैंक खाता साफ कर दिया। ताज्जुब की बात यह है कि पीड़ित बुजुर्ग आरबीआई में अधिकारी रह चुके हैं! उन्हें तो ऐसे मामलों की पूरी जानकारी होनी चाहिए थी। इसलिए बहुत जरूरी है कि अपने जीवन, संपत्ति और परिवार की सुरक्षा के लिए रोज़ाना देश-दुनिया की ख़बरें पढ़ें। जो व्यक्ति ख़बरों से जितना दूर रहेगा, उसके लिए साइबर ठगों का शिकार बनने का जोखिम उतना ही ज्यादा रहेगा। यह सोचकर अनदेखी करना बहुत महंगा पड़ सकता है कि 'मैं तो उच्च शिक्षित हूं, संपन्न हूं, मुझे दुनियादारी से कोई मतलब नहीं है।' पिछले कुछ वर्षों में ही साइबर ठगों ने बड़े-बड़े डॉक्टरों, इंजीनियरों, अधिकारियों और उद्योगपतियों को करोड़ों रुपए का चूना लगा दिया। उन्होंने भारी नुकसान होने के बाद जाना कि देश-दुनिया में यह सब चल रहा है। अगर पहले जानने की कोशिश करते तो नुकसान से बच जाते।

ट्वीटर टॉक

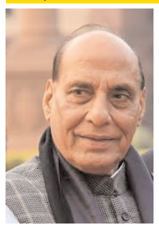

राजस्थान के सभी भाई-बहनों को राजस्थान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ! यह धरती वीरता, त्याग और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की प्रतीक है। मेरी शुभकामनाएँ हैं कि राजस्थान अपनी गौरवशाली परंपराओं को संजोते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहे।

-राजनाथ सिंह

हमारा राजस्थान अपने गौरवमयी इतिहास, सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्ध लोक परंपराओं से दुनियाभर में एक विशेष पहचान बनाए हुए है। शौर्य, स्वाभिमान एवं बलिदान की पावन धरा को नमन करते हुए प्रदेश की प्रगति, खुशहाली एवं समृद्धि की मंगलकामना करता हूं।

-सचिन पायलट

आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी ने राजस्थान, गुजरात समेत कई राज्यों में आमजन से ठगी की एवं उनकी मेहनत की कमाई को लूटा। प्रवर्तन निदेशालय ने इस कमाई से अर्जित की गई कई संपत्तियों को अटैच किया जिससे कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर निवेशकों को उनकी राशि लौटाई जा सके।

- अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

प्यार के व्यंजन

मार्था जब भी किचन में भोजन पकातीं तो वह एक टिन के डिब्बे को खोलकर देखतीं और फिर उसे वापस बंद कर देतीं। एक दिन उत्सुकतावश बालक बेन मार्था से बोला, 'आप भोजन बनाते समय रोज इस टिन के डिब्बे में से क्या निकालती हैं जो नज़र भी नहीं आता।' मार्था बोली, 'बेन इसमें व्यंजन पकाने का एक गुप्त मसाला है। अफसोस कि वह मसाला बाजार में नहीं मिलता। ये मुझे मेरी मां से प्राप्त हुआ है। बेन हैरान होकर बोला, 'मुझे देखना है कि वह कैसा मसाला है।' मार्था बोली, 'अभी नहीं! जब तुम बड़े हो जाओगे, तब देखना।' अब बेन बड़ा हो चुका था। एक दिन मार्था की तबीयत खराब हो गई। मार्था को अस्पताल में दाखिल करा कर वह उनके सिरहाने बैठा रहा। मार्था बोली, 'मैं ठीक हूं। जाओ तुम घर जाकर आराम करो।' वह घर के किचन में देखने गया कि इस समय खाने की कोई चीज मिल सकती है क्या? अचानक उसकी नज़र टिन के डिब्बे पर पड़ी। बेन ने उस डिब्बे के अंदर हाथ डाला। डिब्बे में से उसके हाथ में एक छोटी-सी स्लिप निकली। उस पर लिखा था, 'जो भी व्यंजन बनाओ, उसमें चुटकी भर प्यार जरूर डाल देना।'

सामयिक

जल संकट का समाधान : परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम

डॉ. सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

जल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है।जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4 प्रतिशत मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18 प्रतिशत आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है। स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल: इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणाली: छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणाली: ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की ज़ाबो कृषि पद्धति: यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब)

प्रणाली: यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है।

जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य: तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं।

समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें: इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत: यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं।

परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। खखढ मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रण: शहरों में अपशिष्ट जल को पुन: उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए।

जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ -ख आधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है।

जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। 'बूँद-बूँद से घड़ा भरता है' जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

नजरिया

नेपाल में बढ़ती जा रही है हिन्दू राष्ट्र की मांग

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

भा पड़ोसी देश नेपाल में आगजनी, हिंसा और तोड़फोड़ का दौर एक बार फिर शुरू हो गया हैं। दो लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों घायल हुए है। हालात को कंट्रोल करने के लिए कई जगहों पर कर्फ़्यू लगाया गया। प्रदर्शनकारी वहां पर पुरानी राजशाही बहाली की मांग कर रहे है। वह फिर से नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की स्थापना की बात कर रहे है। 'महल खाली करो, हमारे राजा आ रहे...', इस तरह के नारे लगाते हुए नेपाल में राजशाही की वापसी की मांग को लेकर लोग सड़कों पर हैं और लगातार लोकतांत्रिक सरकार का विरोध कर रहे हैं। पुलिस प्रदर्शनकारियों पर जमकर लाठियां बरसा रही है। वहीं सेना भी मोर्चे पर तैनात कर दी गई है, लेकिन उग्र भीड़ का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। बताया जाता है कि हिंसा में कई लोग घायल हुए है व दो लोग मरे भी जा चुके है। दरअसल, नेपाल में 2008 तक राजशाही थी और नेपाल हिंदू राष्ट्र था। राजशाही खत्म होने के बाद सरकारें कुछ खास बदलाव नहीं कर सकी, इसके उलट नेपाल में पलायन बढ़ गया। आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई।

एक अनुमान के मुताबिक विश्व के करीब 52 से अधिक देशों में हिन्दू रहते है जिसमे भारत, नेपाल, फिजी, सूरीनाम और मारीशस में हिन्दू बहुसंख्यक है। नेपाल में भारत की सीमा से लगे एरिया में कई हिंदू संगठन सक्रिय हैं और उन्ही के द्वारा देश को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर अभियान चलाये जा रहे हैं। इन संगठनों में विश्व हिंदू परिषद और हिंदू स्वयं सेवक संघ बड़े नाम हैं। तराई क्षेत्र खासकर जनकपुर वाले हिस्से में इन संगठनों की सक्रियता ज्यादा नजर आ रही है और इनकी ओर से की गईं ऐसी कई चीजें आपको दिखेंगी जो बताती हैं कि नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित कराने के लिए यह लोग कितने सक्रिय हैं। पर बड़ा सवाल ये है कि आखिर धर्म निरपेक्ष से अचानक नेपाल 'हिंदू राष्ट्रवाद' की तरफ क्यों बढ़ने लगा? इसको समझने के लिए पहले नेपाल के पुराने इतिहास को समझना जरुरी है।

ईसा से करीब 1000 साल पहले नेपाल छोटी-छोटी रियासतों और कुलों के परिसंघों में बंटा था। गोरखा राजा पृथ्वी नारायण शाह ने 1765 में नेपाल की एकता की मुहिम शुरू की और 1768 तक इसमें सफल हो गए। यहीं से आधुनिक नेपाल का जन्म हुआ। राजवंश के पांचवे राजा राजेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने नेपाल की सीमा के कुछ इलाक़ों पर क़ब्ज़ा किया। 1815 में लड़ाई छिड़ी, इसका अंत सुगौली संधि से हुआ।

वर्ष 1846 में राजा सुरेंद्र बिक्रम शाह के शासन काल में, जंग बहादुर राणा एक शक्तिशाली सैन्य कमांडर के रूप में उभरे। कुछ दिन बाद राजपरिवार ने उनके आगे घुटने टेक दिए और उन्हें प्रधानमंत्री बना दिया गया। इसके साथ ही इस पद को वंशानुगत मान लिया गया। 1923 में ब्रिटेन ने नेपाल के साथ एक संधि की और इसकी स्वतंत्रता को स्वीकार किया। 1940 के दशक में नेपाल में लोगों ने देश में लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया। तब भारत की मदद से राजा त्रिभुवन बीर बिक्रम शाह नए शासक बने। नेपाल के राजा ज्ञानेंद्र के समय में नेपाल में राजशाही के खिलाफ व्यापक आंदोलन शुरू हुआ। सन 1959 में राजा महेंद्र बीर बिक्रम शाह ने लोकतांत्रिक प्रयोग को समाप्त कर पंचायत व्यवस्था लागू की। 1972 में राजा बीरेंद्र बिक्रम शाह ने राजकाज संभाला। 1989 में लोकतंत्र के समर्थन में जन आंदोलन शुरू हुआ और राजा बीरेंद्र बीर बिक्रम शाह को सांवैधानिक सुधार स्वीकार करने पड़े। फिर मई 1991 में पहली बहुदलीय संसद का गठन हुआ। वहीं 1996 में माओवादी आंदोलन शुरू हो गया। एक जून 2001 को नेपाल के राजमहल में हुए सामूहिक हत्या कांड में राजा, रानी, राजकुमार और राजकुमारियां मारे गए। अब राजा के भाई ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने फ़रवरी 2005 में राजा ज्ञानेंद्र ने माओवादियों के हिंसक आंदोलन के दमन के लिए सत्ता अपने हाथ में ली और सरकार को बर्ख़ास्त कर दिया। नेपाल में एक बार फिर जन आंदोलन शुरू हुआ और अब राजा को सत्ता जनता के हाथों में सौंपनी पड़ी और यहां संसद को बहाल करना पड़ा। 28 मई 2008 में संसद ने एक विधेयक पारित करके नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किया। हाल ही में अन्य धर्मों की आबादी बढ़ते देख हिंदू संगठन अब यहां ज्यादा सक्रिय हो गए हैं। यही नहीं हर सरकार खुले या छिपे तौर पर नेपाल को हिन्दू राष्ट्र के तौर पर देखती है। नेपाली कांग्रेस में भी इसके समर्थन वाले लोग हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2018 में, 1,500 पार्टी प्रतिनिधियों में से लगभग आधे ने हिंदू राज्य के पक्ष में एक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में हिंदू पहचान बहाल करने के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। 20 हिंदू धार्मिक संगठनों ने मिलकर एक हिंदू राज्य की इच्छा जताई।

नेपाल में 80 फीसदी हिन्दू और 10 फीसदी ईसाई हैं पर यहां पिछले कुछ साल में धर्मांतरण के मामले बढ़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा समय में दक्षिण कोरिया और पश्चिम बंगाल के अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन धर्मांतरण में लगे हैं। अभी नेपाल में ईसाई आबादी तेजी से बढ़ी है। नेपाल में 2021 में हुई जनगणना की रिपोर्ट से पता चलता है कि यहां मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ रही है। नेपाल के राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मुताबिक, नेपाल में तब 2.367 करोड़ हिन्दू, जबकि मुस्लिम 23.945 लाख हैं । प्रतिशत के हिसाब से देखें तो नेपाल में अभी 81.19 प्रतिशत हिन्दू हैं, दूसरे नंबर पर 8.21 प्रतिशत अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म दूसरे नंबर पर हैं। मुस्लिम आबादी में यहां तेजी से इजाफा हो रहा है और इनकी जनसंख्या का प्रतिशत 5.09 प्रतिशत है। वहीं, 1.76 प्रतिशत ईसाई हैं। 2011 में हिन्दुओं की जनसंख्या 81.3 प्रतिशत थी, मतलब हिन्दुओं की जनसंख्या 0.19 प्रतिशत कम हुई है। वहीं बौद्ध समाज जनसंख्या का 9 प्रतिशत हिस्सा था, इस हिसाब से बौद्धों की संख्या भी 0.79 प्रतिशत कम हुई है। वहीं 2011 में मुस्लिम आबादी 4.4 प्रतिशत थी जो 0.69 प्रतिशत बढ़ी है। ईसाई पहले 0.5 प्रतिशत ही थे, जो अब 1.26 प्रतिशत ज़्यादा हो गए हैं।

अपने पिछले कार्यकाल के दौरान नेपाल के पीएम केपी ओली ने हिंदू राष्ट्रवादी भावना को खूब हवा दी। वह काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा करने वाले पहले कम्युनिस्ट प्रधानमंत्री थे। उन्होंने मंदिर को 2.5 मिलियन डॉलर का सरकारी धन भी दान दिया था। ओली ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर आयोजित पूजा समारोह के बाद मैडी में राम की मूर्ति स्थापित की। दूसरी तरफ नेपाली कांग्रेस में भी कई ऐसे नेता हैं जो धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में नहीं हैं। नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा ही जब भारत आए थे तो यहां उन्होंने वाराणसी का दौरा किया, जो एक प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल है। इसी तरह वर्तमान प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल ने अपनी भारत यात्रा के दौरान उज्जैन के एक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके अलावा नेपाल सेना के पूर्व जनरल रुकमंगुद कटावल ने 2021 में हिंदू पहचान बहाल करने के लिए एक हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान शुरू किया। लगभग उसी समय, अन्य 20 हिंदू धार्मिक संगठन ने एक हिंदू राज्य के रूप में नेपाल की स्थिति को बहाल करने के लिए देवघाट में एक संयुक्त मोर्चा बनाया। भारत में हिन्दुत्व कार्ड लगभग सभी पार्टियों द्वारा खेला जाना और फायदा मिलना भी एक कारण है कि नेपाल का हर नेता इस कॉनसेप्ट में विश्वास रखता है।

इस बार जो अशांति का माहौल है और उसके लिए चीन की दखलअंदाजी को जिम्मेदार माना जा रहा है, जिसने पहले भी किसी सरकार को हिमालयी देश में स्थिर होने की इजाजत नहीं दी है और लगातार अड़चनें पैदा की हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, नेपाल में दंगा-रोधी पुलिस ने नेपाल के पूर्व राजा के हजारों समर्थकों को रोकने के लिए लाठियों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिन्होंने राजशाही की बहाली और देश की हिंदू राज्य की पूर्व स्थिति की मांग के लिए राजधानी के केंद्र तक मार्च करने का प्रयास किया था। प्रदर्शनकारी, राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के समर्थन में नारे लगाते हुए, काठमांडू में एकत्र हुए और शहर के केंद्र की ओर बढ़ने का प्रयास किया। हालांकि, दंगा-रोधी पुलिस ने उन्हें रोक दिया और बांस के डंडों से पीटने के साथ ही आंसू गैस और पानी की बौछार की, जिसमें दोनों पक्षों को मामूली चोटें आईं।

समाचारों के अनुसार यह अशांति नेपाल में लगातार चीनी हस्तक्षेप के कारण ही है। उन्होंने एक भी सरकार को टिकने नहीं दिया। नेपाल के लोग बेचैन हैं क्योंकि यह चारों तरफ से दूसरे देशों की जमीन से घिरा देश है और बाकी दुनिया पर निर्भर है। स्थानीय जनता राजनीतिक दलों और राजनेताओं के भ्रष्ट आचरण के कारण पीड़ित हैं। अब वे चीन जाने को जाने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो उनकी संस्कृति में फिट नहीं है। वहां की सरकार ने हवाई अड्डे और राजमार्ग चीन को बेच दिए गए हैं। स्थानीय जनता चाहती है कि नेपाल एक आदेश और नियंत्रण यानी उनके राजा के अधीन चले। वे एक हिंदू राज्य चाहते हैं, न कि ऐसा राज्य जो उपनिवेश के रूप में चीन के निकट हो।

बताया जाता है कि इस मुद्दे पर नेपाली जनता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी सहयोग की उम्मीद लगाए बैठी है। और तो और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में चल रही सनातन हिंदू एकता पदयात्रा पड़ोसी देश नेपाल से बड़ी संख्या में लोग हिस्सा लेने आए थे। नेपाल से लगभग 2 हजार लोग इस यात्रा में शामिल हुए। यात्रा में हिस्सा लेने वाले लोग जनकपुर धाम के साथ ही काठमांडू, लुंबिनी जैसे जगहों से भी आए थे। यह सभी श्रद्धालु बागेश्वर धाम से ओरछा धाम तक पदयात्रा में चल रहे हैं। इन नेपाली लोगों का यात्रा में भाग लेने का मकसद नेपाल को हिन्दू राष्ट्र बनाने के साथ भारत को भी हिन्दू राष्ट्र के रूप में देखना चाहते है। नेपाल से आए एक श्रद्धालु के अनुसार सभी लोगों की बागेश्वर धाम में आस्था हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, बंगाल में अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर राम नवमी का सियासी महत्व बढ़ा

कोलकाता/भाषा। पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की कथित घटनाओं और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों के चलते राज्य में इस साल राम नवमी समारोह का पैमाना और सियासी महत्व, दोनों बढ़ गया है।

पारंपरिक रूप से धार्मिक आयोजन रहा राम नवमी समारोह सियासी रण क्षेत्र में तब्दील हो गया है, क्योंकि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच ध्रुवीकरण और जवाबी-ध्रुवीकरण को लेकर होड़ मची हुई है।

भाजपा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, हिंदू वोटों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है और उसने राम नवमी को अपने प्रचार अभियान का केंद्र बिंदु बनाया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) जैसे हिंदूवादी संगठनों ने छह अप्रैल से शुरू हो रहे हफ्ते भर के राम नवमी समारोह के लिए पश्चिम बंगाल के सभी ब्लॉक में शोभायात्रा निकालने और तीन करोड़ से अधिक लोगों को एकत्र करने का लक्ष्य रखा है।

भाजपा नेताओं के मुताबिक, ये शोभायात्राएं बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की घटनाओं और तृणमूल कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के खिलाफ प्रतीकात्मक प्रदर्शन के रूप में काम करेंगी।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले सीमा के इस तरफ (भारत में) मौजूद लोगों के लिए आंखें खोलने वाले हैं। अगर हम अभी प्रतिरोध नहीं करेंगे, तो तृणमूल की तुष्टीकरण की राजनीति के चलते पश्चिम बंगाल में भी हिंदुओं का इसी तरह का हश्र हो सकता है।

मजूमदार ने आरोप लगाया, पश्चिम बंगाल में हिंदू, टीएमसी समर्थित जिहादियों के इसी तरह के हमलों का पहले से ही सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस साल का राम नवमी समारोह ऐसे अत्याचारों का जवाब होगा।

विहिप के प्रदेश सचिव चंद्र नाथ दास ने राम नवमी समारोह के बढ़ते सियासी महत्व के तीन प्रमुख कारण गिनाए -- बंगाली श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड संख्या में प्रयागराज के महाकुंभ मेले में शामिल होना और अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन करना, बांग्लादेश में उत्पीड़न के शिकार अपने रिश्तेदारों के साथ राज्य के कई हिंदुओं के भावनात्मक जुड़ाव तथा अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण की राज्य सरकार की कथित नीतियों के खिलाफ बढ़ता असंतोष।

दास ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, इस साल की राम नवमी ने लोगों को अपना गुस्सा जाहिर करने और विरोध जताने का मौका दिया है। यह समारोह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले हिंदुओं को एकजुट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा। हिंदू समुदाय पर जितना अधिक हमला होगा, उसकी प्रतिक्रिया उतनी ही तीव्र होगी।

पुस्तक विमोचन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सोमवार को नागपुर में वैदिक गणित (बेसिक टू एडवांस्ड) लेवल 1 से 3 और वैदिक गणित सूत्र अंकगणित की पुस्तक के विमोचन के दौरान।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अपनी पत्नी के साथ ईद के दूसरे दिन माता मनसा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने पूर्व नरेश पर सामाजिक सौहार्द में खलल डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सोमवार को कहा कि पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने सामाजिक सौहार्द में खलल डालने और सामाजिक विभाजन पैदा करने की कोशिश की, जिसके चलते यहां राजशाही के समर्थन में हिंसा भड़की।

प्रतिनिधि सभा में अपने संबोधन में ओली ने पूर्व नरेश पर अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए बैंक ऋण चुकाने से इनकार करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर काम करने और समाज में असंतोष पैदा करने का आरोप लगाया। 'माई रिपब्लिका' की खबर के अनुसार, ओली ने कहा कि तिनकुने क्षेत्र की घटना के लिए पूर्व नरेश जिम्मेदार हैं। तिनकुने में सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में एक समाचार चैनल के कैमरामैन सहित दो लोगों की मौत हो गई थी और 110 अन्य घायल हुए थे। प्रदर्शनकारी देश में राजशाही बहाल करने की मांग कर रहे थे।

हिंसक विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले में अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ओली ने कहा, ''कथित आयोजकों ने पुलिस पर गाड़ी चढ़ाने और प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने का प्रयास किया। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और तेल निगम के डिपो में आग लगाने जैसी आतंकवादी गतिविधियां देखने को मिलीं।'' उन्होंने कहा, ''किसी के घर को आग के हवाले करना, शॉपिंग मॉल में लूटपाट करना और हर्बल कंपनी में आग लगाना राजनीतिक गतिविधि नहीं मानी जा सकती। हिंसक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा।'' ओली ने कहा कि गृह मंत्रालय उचित समय पर संसद को घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देगा।

उन्होंने कहा कि घटना पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''एक साल पहले का विश्लेषण जरूरी है। धर्म, संस्कृति और परंपरा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्माद फैलाकर जनता का आक्रोश भड़काने की कोशिश की गई।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''पूर्व नरेश ने उपद्रवी व्यक्तियों को अपने घर आमंत्रित किया और एक तथाकथित कमांडर नियुक्त किया।''

रूस यूक्रेन युद्ध की समाप्ति को एक 'लंबी प्रक्रिया' के रूप में देखता है : क्रेमलिन प्रवक्ता

मॉस्को।रूस यूक्रेन के साथ तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों को एक ''लंबी प्रक्रिया'' के रूप में देखता है। क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने सोमवार को यह बात कही। इससे पहले, दोनों देशों के बीच युद्धविराम की प्रयास में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके (दोनों देशों के नेताओं के) रुख को लेकर अपनी निराशा प्रकट कर चुके हैं।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने 'कॉन्फ्रेंस कॉल (डिजिटल प्रेसवार्ता)' के दौरान पत्रकारों से कहा, ''हम यूक्रेनी समझौते के संबंध में कुछ विचारों को लागू करने के लिए काम कर रहे हैं। यह काम जारी है।'' उन्होंने कहा, ''अभी तक ऐसा कुछ भी ठोस नहीं है जिसकी हम घोषणा कर सकें या करनी चाहिए। यह एक लंबी प्रक्रिया है क्योंकि इसमें बहुत पेचीदिगी है।''

प्रवक्ता से पत्रकारों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस टिप्पणी पर ट्रंप की नाराज़गी के बारे में पूछा था जिसमें उन्होंने संधिवार्ता के सिलसिले में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की वैधता खारिज कर दी थी।

अनीता हसनंदानी क्यों नहीं घटा पाती हैं वजन?

मुंबई/एजेन्सी

'काव्यांजलि', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'नागिन 3' जैसे शो में शानदार काम कर लोकप्रिय हुई अनीता हसनंदानी ने इस बारे में मजेदार खुलासा किया कि वह क्यों 'कुछ किलो' वजन नहीं घटा पाती हैं। अनीता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने बेटे आरव रेड्डी के साथ मस्ती से टहलती नजर आ रही हैं। वीडियो पर एक ओवरले टेक्स्ट लिखा था, मैं कुछ किलो वजन घटाना चाहती हूं। लेकिन मैं कभी नहीं घटा पाती हूं। मैं विजेता हूं। कैप्शन में उन्होंने लिखा: मैं खाते हुए पोस्ट करती हूं। नताशा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1998 में टेलीविजन शो 'इधर उधर' से की थी और अपने फिल्मी करियर की शुरुआत तेलुगू फिल्म 'नुव्वु नेनु' से की थी। 2001 से 2002 तक, उन्होंने 'कभी सौतन कभी सहेली में तनुश्री की भूमिका निभाई। 2005 में काव्यांजलि के साथ उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। 2007 में उन्होंने पहली बार 'कयामत' में स्वाति भाटिया की भूमिका निभाई। इसके बाद वह हिंदी फिल्म 'दस कहानियां' और 'जस्ट मैरिड' में दिखाई दीं। 2007 से 2008 तक उन्होंने नमन शॉ के साथ 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में सांची विरानी की भूमिका निभाई। इसके बाद अभिनेत्री 'कसम से', 'क्या दिल में है' और 'किस देश में है मेरा दिल' जैसी फिल्मों में देखी गईं। उन्होंने अपनी गर्भावस्था के कारण ब्रेक लिया और तुषार कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'मारीच' से वापसी की। उन्होंने 'ये है मोहब्बतें', 'मधुबाला - एक इश्क एक जुनून', 'ये है आशिकी' में काम करके खुद को हिंदी टेलीविजन की अग्रणी अभिनेत्रियों में स्थापित किया। 2018 से 2019 तक, अभिनेत्री 'नागिन 3' में नागिन विशाखा की भूमिका निभाई। 2020 में वह 'नागिन 4' में विशाखा के रूप में अपनी भूमिका को दोहराईं। इसके साथ ही वह 'हम रहे ना रहे हम' के साथ टेलीविजन पर लौटीं, जहां वह जय भानुशाली के साथ नजर आईं। शो में अभिनेत्री ने रोशनी साहनी की भूमिका निभाई। अभिनेत्री ने साल 2013 में गोवा में कॉर्पोरेट पेशेवर रोहित रेड्डी से शादी की थी। साल 2020 में उन्होंने अपनी गर्भावस्था की घोषणा की और 2021 में बेटे को जन्म दिया।

फिल्म 'आयुष्मान आयुष्मति' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

एसआरके म्यूजिक प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी नई हिंदी फिल्म आयुष्मान आयुष्मति का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया है। फिल्म आयुष्मान आयुष्मति में मुख्य भूमिका में प्रमोद प्रेमी और ऋतु सिंह मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में फर्स्ट लुक में दोनों एक साथ नजर आए हैं और एआई इमेज के जरिए फिल्म की एक झलक दिखाई गई है। इस फिल्म में समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैस, विनोद मिश्रा, श्रद्धा नवल, सोनू पांडेय, विद्या सिंह, सोनिया मिश्रा, सोनाली मिश्रा, कुंवर सुधीर सिंह और सफिया भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के निर्माता रौशन सिंह और निर्देशक प्रवीण गुडुरी हैं। संगीतकार सजन मिश्रा, आर्य शर्मा और गीतकार प्यारे लाल यादव, धरम हिंदुस्तानी, शेखर मधुर हैं।

निर्माता रोशन सिंह ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों के दिलों तक पहुंचेगी और सामाजिक बदलाव की दिशा में एक कदम होगी। उन्होंने कहा कि लेखक इंद्रजीत एस कुमार द्वारा लिखित यह कहानी ग्रामीण भारत की सामाजिक संरचना और मानवीय संबंधों पर केंद्रित है। फिल्म के गीतों में भोजपुरी और हिंदी की मिली-जुली छटा है, जो ग्रामीण जीवन की भावनाओं को उजागर करते हैं। वहीं फिल्म को लेकर निर्देशक प्रवीण गुडुरी ने कहा, यह फिल्म समाज के उन पहलुओं को दिखाती है जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। हमने इसे बेहद वास्तविक तरीके से पेश किया है।

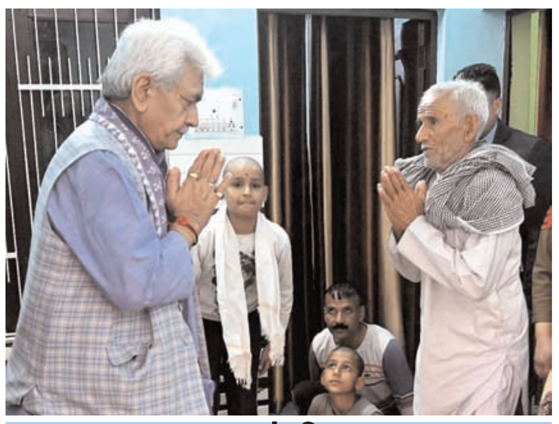

श्रद्धांजलि

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सोमवार को कठुआ में आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए।

'रोमियो एस3' का ट्रेलर रिलीज होगा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म रोमियो एस3 का ट्रेलर सलमान खान की फिल्म सिकंदर के सिनेमाघरों में रिलीज होगा। एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन और मनोरंजक ड्रामा के प्रशंसकों के लिए डबल ट्रीट है, क्योंकि ठाकुर अनूप सिंह और पलक तिवारी अभिनीत रोमियो एस3 का ट्रेलर सलमान खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर सिकंदर के साथ सिनेमाघर में लॉन्च होने वाला है। दोनों फ़िल्में हाई-ऑक्टेन एक्शन, सस्पेंस और लार्जर-दैन-लाइफ़ स्टोरीटेलिंग में डूबी हुई हैं, जो दर्शकों को रोमियो एस3 की रोमांचक कहानी से परिचित कराने के लिए सिकंदर को एक बेहतरीन प्लेटफ़ॉर्म बनाती है निर्देशक गुड्डु धनोआ ने सिकंदर के साथ ट्रेलर के लॉन्च पर कहा,सलमान खान की फम सिकंदर के साथ ट्रेलर लॉन्च करना वाकई एक सपने के सच होने जैसा है। सिकंदर का एक्शन और लोगों को आकर्षित करने वाला यह किरदार रोमियो एस3 के हाई-ऑक्टेन ड्रामा और मनोरंजक कहानी के साथ पूरी तरह मेल खाता है। संग्राम सिंह शेखावत की यात्रा अथक और रोमांचकारी मोड़ से भरी है, जो इसे हमारी विस्फोटक दुनिया का एक बेहतरीन परिचय बनाती है। रोमियो एस3 के निर्माता पेन स्टूडियो के डॉ. जयंतीलाल गडा और धवल गडा ने कहा,हम सलमान खान की सिकंदर के साथ रोमियो एस3 के ट्रेलर को उस भव्य मंच पर पेश करने के लिए रोमांचित हैं, जिसके वह हकदार हैं। यह एक बेहतरीन जोड़ी है।दो बड़ी-से-बड़ी फ़िल्में जो एक्शन, ड्रामा और गहन कहानी का जश्न मनाती हैं। यह ट्रेलर लॉन्च सिर्फ़ एक शुरुआत है जो एक रोमांचक सिनेमाई यात्रा होने का वादा करती है। हम एक अविस्मरणीय पहली छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। डॉ. जयंतीलाल गड़ा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत, धवल गड़ा और वाइल्ड रिवर पिक्चर्स द्वारा निर्मित और गुड्डु धनोआ निर्देशित 'रोमियो एस3', जिसमें ठाकुर अनूप सिंह और पलक तिवारी अभिनीत हैं। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अखिल भारतीय रिलीज़ पेन मरुधर द्वारा होगी।

पुण्यतिथि पर विशेष

छह नामों से जानी जाती थीं मीना कुमारी

मुंबई/एजेन्सी

अपने संजीदा अभिनय से दर्शकों के दिलों को छू लेने वाली महान अदाकारा मीना कुमारी रील लाइफ में 'ट्रेजडी क्वीन' के नाम से मशहूर हुयी लेकिन रियल लाइफ में वह छह नामों से जानीं जाती थीं। मुंबई मे एक अगस्त 1932 को एक मध्यम वर्गीय मुस्लिम परिवार में मीना कुमारी का जब जन्म हुआ तो पिता अलीबख्श और मां इकबाल बानो ने उनका नाम रखा 'माहजबीं'। बचपन के दिनो में मीना कुमारी की आंखे बहुत छोटी थी इसलिये परिवार वाले उन्हें चीनी कहकर पुकारा करते थे। ऐसा इसलिये कि चीनी लोगों की आंखे छोटी हुआ करती हैं। लगभग चार वर्ष की उम्र में ही मीना कुमारी ने फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया। प्रकाश पिक्चर के बैनर तले बनीं विजय भट्ट निर्देशित फिल्म लेदरफेस में उनका नाम रखा गया बेबी मीना। इसके बाद मीना ने बच्चों का खेल में बतौर अभिनेत्री काम किया। इस फिल्म में उन्हें मीना कुमारी का नाम दिया गया। मीना कुमारी को फिल्मों अभिनय करने के अलावा शेरो-शायरी का भी बेहद शौक था। इसके लिये वह नाज उपनाम का इस्तेमाल करती थी।

वर्ष 1952 मे मीना कुमारी को विजय भट्ट के निर्देशन में ही बैजू बावरा मे काम करने का मौका मिला। फिल्म की सफलता के बाद मीना कुमारी बतौर अभिनेत्री फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गईं।वर्ष 1952 मे मीना कुमारी ने फिल्म निर्देशक कमाल अमरोही के साथ शादी कर ली।वर्ष 1962 मीना कुमारी के सिने कैरियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। इस वर्ष उनकी आरती,मै चुप रहूंगी,और साहिब बीबी और गुलाम जैसी फिल्में प्रदर्शित हुई। इसके साथ हीं इन फिल्मों के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामित की गई। यह फिल्म फेयर के इतिहास मे पहला ऐसा मौका था, जहां एक अभिनेत्री को फिल्म फेयर के तीन नामांकन मिले थे।

वर्ष 1964 में मीना कुमारी और कमाल अमरोही की विवाहित जिंदगी मे दरार आ गई। इसके बाद मीना कुमारी और कमाल अमरोही अलग अलग रहने लगे। कमाल अमरोही की फिल्म ..पाकीजा ..के निर्माण में लगभग चौदह वर्ष लग गए। कमाल अमरोही से अलग होने के बावजूद मीना कुमारी ने शूटिंग जारी रखी क्योंकि उनका मानना था कि पाकीजा जैसी फिल्मों में काम करने का मौका बार बार नहीं मिल पाता है।

मीना कुमारी के करियर में उनकी जोड़ी अशोक कुमार के साथ काफी पसंद की गई। मीना कुमारी को उनके बेहतरीन अभिनय के लिये चार बार फिल्म फेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया है। इनमें बैजू बावरा,परिणीता, साहिब बीबी और गुलाम और काजल शामिल है।

मीना कुमारी यदि अभिनेत्री नहीं होती तो शायर के रूप में अपनी पहचान बनाती। हिंदी फिल्मों के जाने माने गीतकार और शायर गुलजार से एक बार मीना कुमारी ने कहा था , ये जो एक्टिंग में करती हूं उसमें एक कमी है .ये फन. ये आर्ट मुझसे नही जन्मा है ख्याल दूसरे का .किरदार किसी का और निर्देशन किसी का। मेरे अंदर से जो जन्मा है .वह लिखती हूं जो मैं कहना चाहती हूं वह लिखती हूं।मीना कुमारी ने अपनी वसीयत में अपनी कविताएं छपवाने का जिम्मा गुलजार को दिया जिसे उन्होंने ..नाज..उपनाम से छपवाया।सदा तन्हा रहने वाली मीना कुमारी ने अपनी रचित एक गजल के जरिये अपनी जिंदगी का नजरिया पेश किया है अपने संजीदा अभिनय से दर्शको के दिल पर राज करने वाली मीना कुमारी 31 मार्च 1972 को अलविदा कह गयी।

'उम्र मायने नहीं रखती, जवानी की तुलना में अब बेहतर तरीके से काम करता हूं'

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान का कहना है कि उत्साह व अनुभव दुनिया में सबसे अच्छा मिश्रण हैं और बात चाहे फिटनेस की हो या फिर काम से संबंधित, चीजें पहले की तुलना में अब बहुत बेहतर और आसान हो गयी हैं। सलमान इस वर्ष 60 के होने वाले हैं। सलमान की नई फिल्म 'सिकंदर' रविवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है और उनकी मानें तो उनमें अपने जवानी के दिनों की तुलना में कहीं ज्यादा उत्साह है। सलमान ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, 60 या फिर कोई भी उम्र मायने नहीं रखती। आज, जिस तरह से मैं प्रशिक्षण लेता हूं या फिर जो कुछ भी मैं करता हूं, वह मैं 20, 30 या फिर 40 साल की उम्र के मुकाबले में कहीं बेहतर तरीके से करता हूं। मुझे तो यह बिलकुल भी महसूस नहीं होता। सच कहूं, तो यह बहुत आसान और पहले से कहीं बेहतर हो गया है। सलमान खान ने 1988 में आई फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' में सहायक कलाकार की भूमिका निभाकर अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, लेकिन अगले ही वर्ष फिल्म 'मैंने प्यार किया' (1989) के साथ उन्हें बड़ी सफलता मिली और इसने उन्हें बुलंदियों पर पहुंचा दिया। सलमान इस साल 27 दिसंबर को 60 साल के हो जाएंगे।

सलमान ने कहा, काम के लिहाज से हर किसी के पास अनुभव होता है। समय के साथ-साथ आपको अनुभव मिलता है, जिन लोगों से आप मिलते हैं या फिर जिनके साथ आप काम करते हैं और जीवन के अनुभव, जो आपको बहुत कुछ सिखाते हैं। उत्साह खत्म नहीं हुआ है। अनुभव बढ़ने के साथ उत्साह भी बढ़ गया है। इसलिए अब, उत्साह और अनुभव का मिश्रण दुनिया का सबसे अच्छा संयोजन है। उन्होंने कहा कि जुनून और अभिव्यक्ति का यह मिश्रण कुछ ऐसा है, जिसका इस्तेमाल वह आने वाले वर्षों में अपने फायदे के लिए करना चाहते हैं।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

नरेन्द्र श्रीश्रीमाल बने राजस्थानी एसोसिएशन के 34वें अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु का 58वां स्थापना दिवस रविवार को वैष्णव कॉलेज में हुआ । इस समारोह में नरेन्द्र श्रीश्रीमाल ने संस्था के 2025-26 के अध्यक्ष पद का भार संभाला। समारोह में मुख्य अतिथि गुजरात सरकार के गृहमंत्री हर्ष आर. संघवी और विशिष्ट अतिथि तमिलनाडु व पुदुचेरी क्षेत्र के केंद्रीय जीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क के प्रधान मुख्य आयुक्त डॉ. रामनिवास एवं जीतो एपेक्स के वाइस चेयरमैन हिमांशु शाह थे।

अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने सबका स्वागत करते हुए कहा कि पूर्व अध्यक्ष व कर्तव्यनिष्ठ सदस्य इस संस्था के स्तंभ रहे हैं। संस्था ने शिक्षा, खेल व चिकित्सा क्षेत्र में कई नए आयामों को छुआ है। उन्होंने राजस्थान दिवस व नवसंवत्सर के अवसर पर शुभकामनाएं व्यक्त की। सचिव हेमंत दुगड़ ने पिछले वर्ष के कार्यकलापों की रिपोर्ट वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत की। पूर्व अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेन्द्र श्रीश्रीमाल को अध्यक्ष पद पर स्थापित किया। मुख्य अतिथि डॉ. रामनिवास ने उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष व पूर्व अध्यक्षों ने नई कार्यकारिणी समिति में अजीतकुमार चौरड़िया को प्रेजिडेंट इलेक्ट, अशोक मूंदड़ा, विजय गोयल, प्यारेलाल पितलिया व विमलचंद धारीवाल को उपाध्यक्ष, दिनेश कोठारी को सचिव, मनीष मरड़िया, दिलीप चंदन व सुनील लुंकड़ को सहसचिव, सुरेश संचेती को कोषाध्यक्ष, गौतमचंद नाहर को सहकोषाध्यक्ष पद पर स्थापित किया। मुख्य अतिथि हिमांशु शाह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि हर्ष आर. संघवी ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि जिन लोगों ने इस संस्था की नींव रखकर इसे ऊंचा उठाया है, उनका अभिनंदन करता हूं। जीतो एपेक्स के वाइस चेयरमैन हिमांशु शाह ने कहा कि अपने समाज को जोड़कर रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

राजस्थानी एसोसिएशन जैसी संस्थाओं के सहयोग से ही हम आज भी अपनी मिट्टी से जुड़े है। डॉ. रामनिवास ने कहा कि राजस्थान समुदाय के लोग जहां गए, वहां के हो गए। इससे जन्म और कर्म दोनों क्षेत्रों का विकास होता है।

इस मौके पर कमेटी डायरी का विमोचन किया गया। अतिथियों का सम्मान किया गया। उपस्थित जनों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेन्द्र श्रीश्रीमाल को बधाई दी। सचिव दिनेश कोठारी ने सबका आभार जताया।

संतदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के वर्धमान जैन सेवा संघ के संस्थापक राजेशकुमार गादिया, सेवा संघ के खेल मंडल के अध्यक्ष टाइगर खारीवाल, मानस चौरड़िया आदि ने तिरुपुर के उत्तकुली ग्राम में उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी व मुनिश्री शालिभद्रजी के दर्शन किए। सोमवार को तिरुपुर में प्रवेश की संभावना है। ज्ञातव्य है कि गुरुद्वय का आगामी चातुर्मास बेंगलूरु में घोषित है।

पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एक्नोरा इंटरनेशनल व क्वीन मेरिस कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वयंसेवा मिशन के विद्यार्थियों के साथ मिलकर क्लीन एण्ड ग्रीन ड्राइव के तहत कॉलेज के इको पार्क एवं पूरे परिसर में करीबन 300 पेड़ लगाए गए। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ उमा माहेश्वरी ने सहयोग दिया ।

रत्नपुरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ की हुई स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के वॉटैक्स रोड स्थित प्रिंस रत्नपुरी गार्डन रेजिडेंसी के मूर्तिपूजक प्रवासी समुदाय द्वारा अपने धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक कलाकारों को एक मंच प्रदान करने के लिए श्री रत्नपुरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ 'सीनियर' की स्थापना की गई और सर्व सम्मति से संघवी पुखराज पुनमिया को संस्थापक अध्यक्ष और संघवी हीराचंद कांकरिया को संस्थापक सचिव नियुक्त किया। उपाध्यक्ष अनिलकुमार टोलचंद और विक्रमकुमार जैन, सहसचिव ललितकुमार और राकेशकुमार चोपड़ा, हकदार दिलीपकुमार पाटनी और विक्रम संकलेशा तथा समिति सदस्य के रूप में कांतिलाल राणावत, अशोककुमार जैन, पारसमल साकरिया, मुकेशकुमार चोपड़ा, शैलेशकुमार जैन, छगनलाल जैन, राकेशकुमार पुनमिया, रघुनाथ जैन, ऋषभ जैन, दिनेशकुमार कावड़, राहुलकुमार जैन, भारतकुमार छाजेड़ को शामिल किया गया।

एफसीआई के क्षेत्रीय कार्यालय में हुई राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के भारतीय खाद्य निगम(एफसीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया। बैठक में संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा पुदुचेरी में राजभाषा निरीक्षण की प्रबंध व्यवस्था समिति में कार्य करने वाले सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र के माध्यम से सम्मान किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक(तमिलनाडु क्षेत्र) मुत्तुमारन ने की। साथ ही उपमहाप्रबंधक अरुणकमार, मंजीवकुमार गोयल गगनकुमार मिश्र, रवि शास्त्री व धीरेंद्रसिंह बोनाल सहित अन्य सहायक महाप्रबंधक भी उपस्थित थे।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही हिंदी प्रोत्साहन योजना के तहत मूल रूप से हिंदी में टिप्पण एवं आलेखन लिखने वाले कुल 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया एवं प्रमाण पत्र भी वितरित की अध्यक्ष ने सभी कार्मिकों से कहा की अपने कार्य में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और हिंदी नोटिंग की स्थिति में वृद्धि करें। इसके साथ ही प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को शील्ड योजना के तहत पुरस्कृत करने पर चर्चा की गई।

बैठक का संचालन प्रबंधक(राजभाषा) कुणालकुमार गुप्ता द्वारा किया गया। राजभाषा सहायक लोकेश कुमार शाह ने धन्यवाद दिया।

जलाराम भवन में मनाया गया गणगौर महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय गणगौर महोत्सव समिति द्वारा सार्वजनिक रूप से 34वाँ गणगौर महोत्सव रविवार को मनाया गया। इस उत्सव में गणगौर माता की व तीज पूजन, शाम को शोभा यात्रा व रात्रि भजन संध्या का आयोजन हुआ। मंगलवार को चौथ चौथ पूजन का आयोजन सुबह 9.30 बजे किया गया। प्रातः 9.30 से तदोपरांत दिन बर सार्वजनिक दर्शन लाभ। यह जानकारी मधु सोनी ने दी।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में रमेशकुमार सुथार के निवास पर 1406वां सुन्दरकाण्ड पाठका आयोजन किया। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी ने मिलकर सुन्दरकांड का सामूहिक पाठ किया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

जैन कॉन्फ्रेंस की कर्नाटक युवा शाखा ने नववर्ष पर किए जीवदया के अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक युवा शाखा के सदस्यों ने उगादि नववर्ष के मौके पर जीवदया चेयरमैन दीपक भंडारी एवं को-चेयरमैन किशन बोहरा के नेतृत्व में पूरे राज्य में विभिन्न स्थलों पर जीवदया का कार्य किया। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक के युवाध्यक्ष आशीष भंसाली एवं उनकी टीम ने होसकोटे स्थित जीवदया गौशाला में जीवदया सहित युवा ज़िला अध्यक्ष नवीन भलगत की टीम ने गुलबर्गा में, प्रकाश सोलंकी की टीम ने बानावार में, प्रमोद चोपड़ा की टीम ने मैसूरु में, रितेश बोहरा की टीम ने शिवम्मोगा में, विकास रूणवाल की टीम ने रायचूर में, चेतन धोका की टीम ने रामनगर में, राकेश कोठारी की टीम ने चिकबल्लापुर में और सुधीर बोहराकी टीम ने केजीएफ में जीवदया के अनेक कार्य किए। इस मौके पर विभिन्न स्थलों पर अनेक वरिष्ठ व युवा पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। युवा महामंत्री किशोर बाफना ने जीव दया कार्यक्रमों में उपस्थित सभी जनों को धन्यवाद दिया।

नए संकल्प और नई कल्पना के साथ आता है नववर्ष : साध्वीश्री पावनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में रविवार को नवान्हिका आध्यात्मिक अनुष्ठान का प्रारंभ और विक्रम संवत 2082 नव वर्ष के प्रारंभ होने पर वृहद मंगल पाठ का आयोजन तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में किया गया। सभा के अध्यक्ष गौतम दक ने सभी श्रावकों का स्वागत किया। इस अवसर पर साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि यह नया वर्ष, नई कल्पना और नए संकल्प के साथ आया है। हर व्यक्ति को स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति चाहिए, इसके लिए प्रतिदिन योग एवं महाप्रयाण ध्वनि का प्रयोग करने से शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास का द्वार खुलता है। यह वर्ष सबके लिए मंगलमय रहे, ऐसे मंगल भावों का उपहार प्रदान करते हुए साध्वीश्री ने कहा कि हर दिन दिव्य बने, हर सप्ताह सौम्य बने, हर महीना महनीय बने। कार्यक्रम के दूसरे चरण में मंगल भावना समारोह रखा गया। महिला मण्डल एवं ज्ञानशाला की सदस्याओं ने गीतिका की प्रस्तुति दी। इस अवसर महासभा के आँचलिक संयोजक प्रकाश लोढ़ा, महिला मण्डल की अध्यक्ष सरोज दुगड़, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश झाबक, ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक, रेखा पोरवाड़, केजीएफ से प्रिया बांठिया, भावना बाफना ने साध्वी के प्रति अपनी-अपनी मंगलभावनाएं व्यक्त की एवं आगामी केजीएफ चातुर्मास मंगलमय और ऐतिहासिक हो, ऐसी कामना की। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार सभा के मंत्री हेमराज मांडोत ने किया।

सारस्वत समाज का स्नेह मिलन सम्पन्न, भीखमचन्द बने नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सारस्वत समाज (कुण्डिया) का होली स्नेह मिलन समारोह रविवार को मेवाड़ भवन यशवंतपुर में सम्पन्न हुआ। स्नेह मिलन समारोह का शुभारंभ भगवान सरसजी महाराज की पूजा अर्चना से हुआ, पंडित नेमीचंद ने वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा सरसजी महाराज की पूजा अर्चना करवाई।

हरिराम सारस्वत, भीखमचंद सारस्वत, भुवेश्वर ओझा, जीतूराम मोट, महेश सारस्वत, हरिनारायण सारस्वत, महेश सारस्वत, मनोज तावणियाँ, बाबूलाल तावणियाँ, सुरेश तावणियाँ, कैलाश क़ायल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

स्नेह मिलन में बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विजेताओं को विशेष पुरस्कार व प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कार मंगेश सारस्वत, पुनमचंद मोट ने प्रदान किए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिलाओं ने गणगौर उत्सव मनाते हुए घूमर नृत्य किया। बहुअंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों में कार्यरत समाज के उभरते हुए युवाओं के सम्मान के क्रम में महेश सारस्वत को माणकचंद ओझा ने, कार्तिक ओझा को पंडित नेमीचंद सारस्वत ने, कपिल सारस्वत को विनोद ओझा ने, प्रियंका ओझा को महेश सारस्वत ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में लक्की डॉ से इनाम निकाले गए जिसमें प्रथम नम्रता सारस्वत, द्वितीय भवानीशंकर सारस्वत व तृतीय कार्तिक ओझा को प्रदान किया। स्नेहमिलन में विशेष आकर्षण तंबोला कार्यक्रम का था, जिसमें नए पुराने राजस्थानी गानों से सजाया गया व विजेताओं को इनाम दिए गए। उपस्थित सभी जनों को सरसजी महाराज का छायाचित्र व उनकी जीवनी साहित्य भेंट की। स्नेह मिलन में समाज बंधुओं ने आम सहमति से भीखमचंद सारस्वत को नया अध्यक्ष मनोनीत किया। अध्यक्ष मनोनीत होने पर सारस्वत का समाज बंधुओं ने सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन जगदीश आचार्य ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.